दैनिक

# पुष्पांजली टुडे

नई सोच, नई पहल

ग्वालियर वर्ष: 03 अंक: 116 | ग्वालियर, बुधवार, 29 अप्रैल 2020 | पृष्ठ: 08- मूल्य 2 रुपए


**इंदौर सेंट्रल जेल के 10 और कैदी संक्रमित, प्रदेश में अब तक 2387 पॉजिटिव और 120 की मौत हो चुकी**

# देश का चौथा संक्रमित राज्य एमपी

**भोपाल**

मामले में मंगलवार को देश में चौथे नंबर पर आ गया है। संक्रमित मरीजों की मौतों के मामले में देश में प्रदेश का स्थान तीसरे नंबर पर है। सोमवार तक प्रदेश का स्थान पांचवें स्थान पर था। प्रदेश में देररात तक विभिन्न जिलों में 203 संक्रमित मरीजों की पुष्टि हुई है। इसी के साथ 2387 पर पहुंच गई है। पहले स्थान पर महाराष्ट्र में 8590, दूसरे गुजरात में 3548, तीसरे दिल्ली में 3108 संक्रमित मरीज हैं। मध्य प्रदेश में 2387 पॉजिटिव मरीजों की संख्या होने के साथ ही अब ये चौथे स्थान पर आ गया है। मध्य प्रदेश में अभी तक सरकार द्वारा 110 मरीजों की पुष्टि हो चुकी है। सोमवार को हुई 7 मौतों को और जोड़ दिया जाए तो आंकड़ा 120 पर पहुंच जाता है। महाराष्ट्र में अभी तक 369 मौतों के साथ पहले स्थान पर है। गुजरात में 162 लोगों की मौत हो चुकी है। मध्य प्रदेश में 117 लोगों की मौत हो चुकी है। प्रदेश में सबसे ज्यादा 60 मौतें अकेले इंदौर में हुई हैं।

## नीमच: प्रदेश के 3300 मजदूरों की घर वापसी

लॉकडाउन के कारण राजस्थान और मध्य प्रदेश में फंसे 4600 लोगों की मंगलवार से नीमच जिले के नयागांव बॉर्डर से घर वापसी शुरू हुई। हालांकि सभी मजदूरों को घर पहुंचाने का काम दो-तीन दिन में पूरा होगा। दोनों प्रदेश के मुख्यमंत्री की चर्चा के बाद मजदूरों की वापसी का रास्ता साफ हुआ था। मंगलवार को जैसलमेर से आए 3300 आदिवासी मजदूरों को 125 बसों से उज्जैन, धार, झाबुआ, रतलाम, मंदसौर, नीमच जिले में भेजा गया। मध्य प्रदेश में फंसे राजस्थान के 1300 लोगों को रोडवेज की 45 बसों से भेजा गया। इस व्यवस्था में विभिन्न विभागों के करीब 680 अधिकारी, कर्मचारियों की ड्यूटी लगाई। इसमें स्वास्थ्य विभाग की टीम ने प्रत्येक मरीज का स्वास्थ्य परीक्षण और स्क्रीनिंग की।

## इंदौर सेंट्रल जेल में 9 और कैदी संक्रमित

इंदौर सेंट्रल जेल के 17 कैदियों के साथ दो गार्ड कोरोना पॉजिटिव पाए गए हैं। जेल अधीक्षक राकेश कुमार भागरे और इंदौर के सीएमएचओ डॉ. प्रवीण जड़िया से मिली जानकारी के अनुसार मंगलवार को जेल के 9 और कैदियों के संक्रमित होने की पुष्टि हुई है। पिछले करीब एक पखवाड़े में सेंट्रल जेल में संक्रमितों का आंकड़ा 19 पर पहुंच गया। इसमें दो जेल के गार्ड भी शामिल बताए गए हैं। इंदौर सेंट्रल जेल में करीब 2 050 कैदी वर्तमान में हैं जबकि क्षमता 1230 कैदियों की है। जेल में हर दिन सभी कैदियों का स्क्रीनिंग की जा रही है। इंदौर में कोरोना वायरस पॉजिटिव मरीजों की संख्या 1372 हो गई है। अब तक इससे 63 मरीजों की मौत हो चुकी है, वहीं 134 मरीज डिस्चार्ज होकर वापस घर जा चुके हैं। मंगलवार को शहर में कोरोना पॉजिटिव मरीजों की संख्या में फिर एक बार सबसे अधिक बढ़ोतरी दर्ज की गई है। सोमवार को जांचे गए 820 सैंपलों में 165 सैंपल पॉजिटिव आए हैं। यानी पॉजिटिव सैंपलों की संख्या 20 प्रतिशत रही।

## भोपाल: 30 संदिग्ध निकले पॉजिटिव

राजधानी भोपाल में मंगलवार देरशाम आई रिपोर्ट में कोरोनावायरस से संक्रमित 30 नए मरीजों की पुष्टि हुई है। नए मरीजों को मिलाकर भोपाल में संक्रमित मरीजों की संख्या 458 पर पहुंच गई है। एम्स में रायसेन से रैफर किए गए मरीज की मौत भी हुई है। इस मरीज की चार दिन पहले ही रिपोर्ट पॉजिटिव आई थी। दो दिन पहले ही इस मरीज को हालत बिगड़ने पर रायसेन से भोपाल के एम्स रेफर किया गया था।

## रीवा: दो कोरोना पॉजिटिव मिले

रीवा में दो कोरोना वायरस पॉजिटिव मरीज मिलने से हड़कंप मच गया है। ये दोनों डॉ. सिंघल के रिश्तेदार बताए जा रहे हैं। रीवा सामान थाना अंतर्गत तनीषा नर्सिंग होम के मालिक की रिपोर्ट कोरोना पॉजिटिव आने पर इंदिरा नगर को सील कर दिया गया है। आईजी चंचल शेखर, डीआईजी अनिल सिंह, एसपी आबिद खान, सीएसपी शिवेंद्र सिंह ने किया क्षेत्र का निरीक्षण किया और पुलिसकर्मियों को दी सुरक्षित रहने की समझाइश दी है।

## इंदौर में राहत: 45 लोग कोरोना से जंग जीत कर घर लौटे

इंदौर में कोरोना से स्वस्थ होकर मरीजों के डिस्चार्ज होने का सिलसिला जारी है। मंगलवार को इंडेक्स हॉस्पिटल से कोरोना के 45 मरीज स्वस्थ होकर घर लौटे। इस अवसर पर जल संसाधन मंत्री तुलसी सिलावट भी मरीजों से मिलने पहुंचे। मंत्री ने यहां उनका स्वागत किया और सुखद और स्वस्थ जीवन के लिए शुभकामनाएं दी। स्टाफ ने मरीजों का फूल बरसा कर स्वागत किया और विदाई दी। दो दिन में 57 मरीज ठीक होकर घर रवाना हुए। वहीं, अब तक इस वायरस से जंग जीतकर 182 लोगों की घर वापसी हुई है। फिलहाल अस्पतालों में 250 से अधिक मरीज भर्ती हैं।

## सीएम बोले: प्रदेश में कोरोना की स्थिति में निरंतर हो रहा सुधार

**भोपाल।** मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने कहा है कि प्रदेश में कोरोना की स्थित में निरंतर सुधार हो रहा है। बड़ी संख्या में मरीज ठीक होकर घर वापस जा रहे हैं। नए प्रकरणों में निरंतर कमी आ रही है। कोरोना संकट को शीघ्र समाप्त करने के लिए अब हर शहरों और जिलों की परिस्थिति को देखते हुए रणनीति बनाई जा रही है। जिलों की मॉनीटरिंग के लिए नियुक्त वरिष्ठ अधिकारी अब जिलों में जाकर वहां की स्थितियों का निरंतर अध्ययन कर रहे हैं। सीएम ने मंत्रालय में वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से प्रदेश में कोरोना पर नियंत्रण की स्थिति एवं व्यवस्थाओं की समीक्षा कर रहे थे।

| राज्य | संक्रमित | ठीक हुए | मौत |
|---|---|---|---|
| महाराष्ट्र | 8590 | 1282 | 369 |
| गुजरात | 3548 | 394 | 162 |
| दिल्ली | 3108 | 877 | 54 |
| मप्र | 2387 | 400 | 120 |
| राजस्थान | 2262 | 744 | 50 |
| तमिलनाडु | 1937 | 1101 | 24 |
| उत्तरप्रदेश | 1986 | 399 | 31 |
| आंध्रप्रदेश | 1177 | 235 | 31 |
| तेलंगाना | 1003 | 332 | 25 |

## रायसेन: 11 नए पॉजिटिव मिले

रायसेन जिले में मंगलवार को 11 नए कोरोना पॉजिटिव निकले हैं। इस तरह जिले में कुल 45 कोरोना संक्रमित मरीज हो गए हैं। विगत दिनों कोरोना संक्रमण के कारण जान गंवाने वाले दो सगे भाई अमित और सुमित अग्रवाल के परिवार का भी एक और सदस्य कोरोना पॉजिटिव निकला है। इसके अलावा 10 पॉजिटिव का ताल्लुक जमात से है। इन्हें प्रशासन ने पूर्व से ही क्वारण्टाइन करके रखा था।

## उज्जैन: सात नए पॉजिटिव

उज्जैन जिले में मंगलवार को सात नए कोरोना पॉजिटिव मिले हैं, इसके साथ यहां मरीजों की संख्या 130 पहुंच गई है। इस बीमारी से उज्जैन में 20 लोगों की जान जा चुकी है। बड़नगर के ही दो अन्य मरीज इंदौर में पॉजिटिव पाए गए। यानी यहां एक ही दिन में संक्रमण के नौ नए केस आए। इनमें से आठ एक ही परिवार के हैं। इस परिवार के 12 लोग अब संक्रमित मिल चुके हैं, जिसमें से चार की मौत हो चुकी है।

## बैतूल : संक्रमित को जिला अस्पताल भेजा

बैतूल जिले के भैंसदेही में 6 अप्रैल को कोरोना संक्रमित पाए गए युवक को सोमवार रात भैंसदेही अस्पताल से जिला अस्पताल में शिफ्ट किया गया है। दो बार की गई सैंपल की जांच में पॉजीटिव पाए जाने के बाद 22 अप्रैल को तीसरा सैंपल लिया गया था और जांच के लिए भेजा गया था। 6 दिन बाद भी जांच रिपोर्ट प्राप्त न होने से यह संभावना है कि सैंपल गुम हो गया है। अब प्रशासन मरीज को जिला अस्पताल में भर्ती कर उसका सैंपल लेकर जांच के लिए फिर से भेज रहा है।

## जबलपुर: तहसीलदार सहित संक्रमण के 6 नए केस

जबलपुर में मंगलवा को कोरोना संक्रमण के 6 नए केस सामने आए हैं। यहां मरीजों की कुल संख्या बढ़कर 76 हो गई है। एक आईपीएस के संक्रमित पाए जाने के बाद मंगलवार को एक तहसीलदार की रिपोर्ट पॉजिटिव आई है। वहीं शेष पांच में से दो पुलिसकर्मी हैं। आईसीएमआर लैब से आज मंगलवार को दोपहर मिली 96 सेम्पल की परीक्षण रिपोर्ट्स में कोरोना पॉजिटिव के छह नये प्रकरण सामने आए हैं। मंगलवार की दोपहर मिली परीक्षण रिपोर्ट्स में इसे मिलाकर जबलपुर में कोरोना पॉजिटिव मरीजों की संख्या बढ़कर 76 हो गई है। सात स्वस्थ होकर घर लौट चुके हैं और एक की मौत के बाद लिया गया सेम्पल परीक्षण में पॉजिटिव पाया गया था ।

## स्वास्थ्य मंत्री नरोत्तम ने कहा संक्रमित जिलों में लगेंगे कैंप

इधर प्रदेश के स्वास्थ्य मंत्री डॉ. नरोतम मिश्रा ने कहा कि मप्र के अधिक कोरोना संक्रमित जिलों में सरकार कैंप लगाने जा रही है। मंगलवार को प्रदेश के वरिष्ठ अफसरों को जिलों की जिम्मेदारी सौंपी गई। उन्होंने कहा कि प्रदेश में कोरोना सैंपल की जांच की क्षमता बढ़ा दी गई है। बुधवार से प्रदेश में हर दिन 1200 जांच होने लगेंगी। जब मंत्री बात कर रहे थे, उस दौरान वो खुद कोरोना वायरस से बचाव के लिए जरूरी उपकरण धारण किए हुए थे। उन्होंने कहा कि भोपाल में 3316, इंदौर में 2486 तथा उज्जैन में प्रति दस लाख 3870 टेस्ट किए गए हैं, जो एक रिकॉर्ड है।

# गहोई सेवा संस्थान का लक्ष्य : समाज के हर जरूरतमंद के पास पहुंचेगा राशन

**ग्वालियर।** कोरोना के संकट काल में अनेक सामाजिक संगठन एवं समाज व अन्य संस्थाएं आगे आकर पीड़ित मानवता की सेवा करने के लिए निरंतर प्रयास कर रहे हैं। इसी क्रम में गहोई सेवा संस्थान विगत 5 वर्षों से सेवा भाव से निरंतर कार्य करती आ रही है इस संस्था द्वारा जेएच परिसर में 5 वर्षों से खाना बांटने का कार्य किया जा रहा है और वही समाज के जरूरतमंद परिवारों को राशन उपलब्ध कराकर उनकी सहायता की जा रही है कोरोना महामारी से पूरा भारत वर्ष जूझ जा रहा है। इसी बुरे हालात को देखते हुए संस्था के संस्थापक सदस्य अशोक गुप्ता कस्तवार द्वारा बताया गया कि समाज के द्वारा जरूरतमंद परिवारों को पूरे महीने भर का राशन उपलब्ध कराया जा रहा है इस राशन की किट में कुल 15 सामान हैं जिससे परिवार को पूरे महीने भर कोई समस्या का सामना करना ना पड़े और आज दिनांक तक कुल 20 परिवारों को राशन उपलब्ध करा दिया गया है आगे भी संस्था उन परिवारों के लिए प्रयासरत हैं, बता दें यह संस्था अस्पताल परिसर में मरीजों के लिए खाना बंटवाने का कार्य पिछले 5 वर्षों से करती आ रही है। अगर समाज के जरूरतमंद परिवार को राशन की जरूरत है तो वह इनसे संपर्क कर सकते हैं संस्था के अध्यक्ष श्री महेश नीखरा 9425339830, सचिव अनिल कसाब 9993561655 और संस्थापक सदस्य अशोक गुप्ता कस्तवार 8827169177 से संपर्क किया जा सकता है।

# हरियाणा राज्य में फँसे 1350 मजदूर सकुशल पहुँचे ग्वालियर

**ग्वालियर।** कोरोना वायरस (कोविड-19) के कारण प्रदेश के विभिन्न जिलों के श्रमिक हरियाणा में फँसे होने के कारण उन्हें विशेष बसों के द्वारा मंगलवार को ग्वालियर लाया गया। जहां उनकी स्क्रीनिंग एवं स्वास्थ्य परीक्षण कर संबंधित जिलों के लिये बसों में बैठाकर भोजन, पानी के साथ रवाना किया गया। फँसे हुए मजदूरों ने अपने गृह जिलों में पहुँचने हेतु की गई व्यवस्था के लिये प्रदेश के मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान एवं जिला प्रशासन का आभार माना। कलेक्टर ग्वालियर कौशलेन्द्र विक्रम सिंह ने मालवा कॉलेज परिसर पहुँचकर हरियाणा से आए श्रमिकों के लिये की गई व्यवस्थाओं का अवलोकन किया। इसके साथ ही प्रदेश के अन्य शहरों में श्रमिकों को बसों के माध्यम से भेजे जाने के लिये की गई व्यवस्थाओं को देखा । कलेक्टर ने अधिकारियों को निर्देशित किया कि हरियाणा से आए श्रमिकों को सकुशल उनके गृह नगर भेजने के लिये बसों में भोजन, पानी की व्यवस्थायें चाक-चौबंद की जाएं। इसके साथ ही चिकित्सकों को भी निर्देशित किया कि प्रत्येक श्रमिक की चिकित्सीय जांच आवश्यक रूप से की जाए। हरियाणा राज्य से प्रदेश के विभिन्न जिलों में निवास करने वाले श्रमिकों को ग्वालियर लाकर उनके गृह नगर तक भेजे जाने की व्यवस्थाओं के लिये अपर कलेक्टर श्री अनूप कुमार सिंह को प्रभारी अधिकारी बनाया गया था। इसके साथ ही राजस्व विभाग के साथ-साथ महिला-बाल विकास, खनिज विभाग, स्वास्थ्य विभाग के अधिकारियों को भी व्यवस्था में तैनात किया गया था। सभी अधिकारियों ने उपस्थित रहकर अपनी जिम्मेदारी का निर्वहन करते हुए श्रमिकों को उनके गृह जिले के लिये बसों से रवाना किया। कोरोना वायरस के संक्रमण के कारण हरियाणा राज्य के विभिन्न स्थानों पर फँसे लगभग 1350 मजदूरों को हरियाणा राज्य परिवहन निगम की विशेष 44 बसों द्वारा लेकर झांसी रोड़ मालवा कॉलेज परिसर में प्रात:-11 बजे से आना शुरू हो गया था। जहां जिला प्रशासन के अधिकारियों की उपस्थिति में बसों से आने वाले मजदूरों का चिकित्सकों के दल द्वारा स्क्रीनिंग कर एवं स्वास्थ्य परीक्षण कर प्रदेश के विभिन्न जिलों के रहने वाले मजदूरों को संबंधित जिलों की बसों को सेनेटाइज कर बैठाकर सोशल डिस्टेंसिंग का पालन करते हुए भोजन एवं पानी के साथ रवाना किया गया। विभिन्न जिलों को जाने वाले श्रमिकों के लिये राज्य शासन द्वारा 46 बसों की व्यवस्था की गई थी। कलेक्टर कौशलेन्द्र विक्रम सिंह एवं पुलिस अधीक्षक श्री नवनीत भसीन ने मालवा कॉलेज पहुँचकर व्यवस्थाओं का जायजा लिया एवं मजदूरों से चर्चा कर जानकारी ली। उन्होंने मजदूरों को समझाइश दी कि 14 दिनों तक अपने घरों में क्वारंटाइन में रहें। घरों से बाहर न निकलें। मध्यप्रदेश के अनेक जिलों के मजदूर हरियाणा राज्य में रहकर मजदूरी कर रहे थे। लेकिन कोरोना वायरस के कारण लागू लॉकडाउन के कारण फँस जाने से अपने गृह प्रदेश नहीं आ पा रहे थे। ऐसे में प्रदेश के मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान ने हरियाणा के मुख्यमंत्री से चर्चा कर वहां फँसे मजदूरों को प्रदेश में लाने हेतु बसों की व्यवस्था की गई। टीकमगढ़ जिले के श्रमिक ने बताया कि हमारे प्रदेश के मुख्यमंत्री ने हरियाणा में फँसे हुए मजदूरों के बारे में सोचा और हमारे घरों तक पहुँचने की व्यवस्था की।

46 बसों से संबंधित जिलों के लिये किया रवाना, राज्य सरकार के प्रयासों की सराहना की

# क्राइसेस मैनेजमेंट के लिये कलेक्टर ने वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से जनप्रतिनिधियों से की चर्चा

जनप्रतिनिधियों ने दिए महत्वपूर्ण सुझाव

**ग्वालियर।** नोवेल कोरोना वायरस के संक्रमण की रोकथाम हेतु लगाए गए लॉकडाउन के कारण ग्वालियर जिले में काफी हद तक संक्रमण की रोकथाम हुई है। लॉकडाउन के दौरान आवश्यक वस्तुओं की उपलब्धता सुनिश्चित करने हेतु लॉकडाउन में कुछ छूट भी दी जा रही है। आगामी दिनों में संक्रमण की रोकथाम हेतु सभी का सहयोग अपेक्षित है। कलेक्टर श्री कौशलेन्द्र विक्रम सिंह ने मंगलवार को वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से क्राइसेस मैनेजमेंट के संबंध में जिले के जनप्रतिनिधियों से चर्चा की। चर्चा के दौरान जनप्रतिनिधियों ने आवश्यक एवं महत्वपूर्ण सुझाव भी दिए। इन सुझावों के आधार पर जिले की आगामी रणनीति भी तैयार की जायेगी।

क्राइसेस मैनेजमेंट के लिये वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से कलेक्ट्रेट के एनआईसी कक्ष से कलेक्टर ने जनप्रतिनिधियों से चर्चा की। इस मौके पर पुलिस अधीक्षक श्री नवनीत भसीन, नगर निगम आयुक्त श्री संदीप माकिन, सीईओ जिला पंचायत श्री शिवम वर्मा, एडीएम श्री किशोर कन्याल उपस्थित थे। वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से कलेक्टर श्री कौशलेन्द्र विक्रम सिंह ने क्षेत्रीय सांसद श्री विवेक नारायण शेजवलकर, पूर्व मंत्री श्री प्रद्युम्न सिंह तोमर, पूर्व विधायक श्री मुन्नालाल गोयल, पूर्व विधायक श्री रमेश अग्रवाल, भाजपा जिला अध्यक्ष श्री देवेश शर्मा, पूर्व मंत्री श्रीमती इमरती देवी के प्रतिनिधि से चर्चा कर उनके सुझाव जाने। कलेक्टर श्री कौशलेन्द्र विक्रम सिंह ने बताया कि लॉकडाउन के दौरान आवश्यक वस्तुओं की उपलब्धता सुनिश्चित करने हेतु किराना दुकानों, दूध विक्रेताओं, फल, सब्जी विक्रेताओं एवं दवाओं की दुकानों को छूट प्रदान की गई है। उन्होंने यह भी बताया कि प्रदेश सरकार द्वारा लिए गए निर्णय के परिपालन में

मध्यप्रदेश के जो श्रमिक अन्य प्रदेशों में हैं उन्हें वापस लाने का कार्य भी प्रारंभ किया गया है। इसके साथ ही अन्य प्रदेशों एवं अन्य जिलों के लिये आने-जाने की अनुमति भी ऑनलाइन प्रारंभ कर दी गई है। आने वाले दिनों में मुख्य बाजारों को छोड़कर मोहल्लों और गलियों में स्थापित किराना दुकानों को भी खोलने की अनुमति देने पर विचार किया जा रहा है। कलेक्टर श्री सिंह ने यह भी स्पष्ट किया कि ग्रामीण क्षेत्रों में दुकानों को खोलने का निर्णय भी लिया गया है। इसके साथ ही ग्रामीण क्षेत्र में विकास कार्य तथा शहरी क्षेत्र में भी शासकीय विकास कार्यों की शुरूआत की गई है। कलेक्टर श्री कौशलेन्द्र विक्रम सिंह ने वीडियो कॉन्फ्रेंस में यह भी स्पष्ट किया कि ग्रामीण क्षेत्रों में जनपद पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी एवं नगरीय क्षेत्र में नगर पालिका अधिकारियों के माध्यम से अन्य जिलों एवं प्रदेशों में जिले के जो श्रमिक एवं अन्य लोग लॉकडाउन के कारण फसे हुए हंय उनकी सूची तैयार की जा रही है। जनप्रतिनिधि भी उनकी जानकारी में जो लोग हैं उनकी सूची प्रदान करें ताकि ऐसे लोगों को वापस लाने के लिये रणनीति बनाकर कार्रवाई की जा सके। वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से चर्चा के दौरान क्षेत्रीय सांसद श्री विवेक नारायण शेजवलकर ने सुझाव दिया कि ग्वालियर जिले के जो निवासी अन्य प्रदेशों में लॉकडाउन के कारण रूके हुए हैं उन्हें वापस लाने के लिये कार्ययोजना बनाकर कार्रवाई की जाना चाहिए। इसके साथ ही थोक विक्रेताओं को भी अपनी सामग्री खेरीज विक्रेताओं तक पहुँचाने की अनुमति दी जाना चाहिए। राशन की उपलब्धता और आवश्यक वस्तुओं की उपलब्धता सुनिश्चित हो, इस दिशा में भी गंभीरता से विचार किया जाना चाहिए। सांसद श्री शेजवलकर ने यह भी कहा कि नोवेल कोरोना वायरस के संक्रमण को रोकना हम सबकी पहली प्राथमिकता है। इस बात को भी हम सबको ध्यान में रखना आवश्यक है। ऐसी कोई अनुमति नहीं दी जाना चाहिए, जिसके कारण संक्रमण फैल सके। पूर्व मंत्री श्री प्रद्युम्न सिंह तोमर ने भी सुझाव दिया कि लॉकडाउन के कारण किसी भी व्यक्ति को खाने-पीने की परेशानी नहीं होना चाहिए। हर जरूरतमंद को राशन उपलब्ध हो, यह हम सबकी जवाबदारी है। उन्होंने यह भी कहा कि नोवेल कोरोना वायरस के संक्रमण के समय निजी चिकित्सालय भी अपनी सेवायें अन्य बीमारियों के लिये दें।

संपादकीय

## आतंक का रास्ता

यह तो पूरी दुनिया जानती है कि पाकिस्तान का एकमात्र मकसद जम्मू-कश्मीर सहित पूरे भारत में अशांति और अस्थिरता पैदा करना है और इसके लिए सरकार, सेना और आइएसआइ की मदद से एक बड़ा तंत्र काम करता है। जब पूरी दुनिया कोरोना महामारी से निपटने में लगी है, उस वक्त भी पड़ोसी देश पाकिस्तान आतंकवाद के अपने एजेंडे को रफ्तार देने में लगा है। जम्मू-कश्मीर में तीन सौ से ज्यादा आतंकियों को घुसाने की पाकिस्तान की साजिश का खुलासा बता रहा है कि उसके या दुनिया के समक्ष कितने ही बड़े संकट सामने क्यों न हों, लेकिन वह भारत के खिलाफ अपना अभियान बंद नहीं करने वाला। हालांकि भारतीय सेना और अर्धसैनिक बल उसके इस षड्यंत्र को अच्छी तरह समझते हैं, इसीलिए सीमाई इलाकों में भारत ने कड़ी सुरक्षा की हुई है। लेकिन पड़ोसी मुल्क की ओर से इस तरह की गतिविधियों का जारी रहना चिंता का विषय तो है ही। हर साल अप्रैल-मई के महीने में जब बर्फ पिघलनी शुरू होती है, पाकिस्तान सेना बड़े पैमाने पर आतंकियों को घुसाने में जुट जाती है। लेकिन इस बार भारतीय सेना को जो खुफिया सूचनाएं मिली हैं, वे कान खड़े कर देने वाली हैं। पाकिस्तान इस बार आतंकियों के साथ ही बड़ी संख्या में कोरोना से संक्रमित लोगों को भी भारत में घुसाने की तैयारी में है। यह तो पूरी दुनिया जानती है कि पाकिस्तान का एकमात्र मकसद जम्मू-कश्मीर सहित पूरे भारत में अशांति और अस्थिरता पैदा करना है और इसके लिए सरकार, सेना और आइएसआइ की मदद से एक बड़ा तंत्र काम करता है। आइएसआइ भारत में आतंक फैलाने के लिए योजना और रणनीति बनाती है और आतंकियों के जरिए सेना इस काम को करने में मदद करती है। सेना के खुफिया तंत्र ने इस बात की पुष्टि की है कि हिज्बुल मुजाहिद्दीन और लश्कर ए तैयबा के करीब तीन सौ आतंकी भारत में घुसने के लिए तैयार बैठे हैं। इन्हें भारतीय सीमा में घुसाने के लिए पाकिस्तानी सेना और आइएसआइ ने नियंत्रण रेखा के पास सोलह ठिकाने तैयार किए हैं। इनमें से कुछ ठिकाने नौशेरा और छंब की दुर्गम पहाड़ियों में भी हैं, जहां आतंकी जमा हैं और इसी रास्ते आतंकवादी गुलमर्ग में प्रवेश करते हैं। इसके अलावा लीपा घाटी के पार भी आतंकी जमा होने की खबर है। हाल में इसी रास्ते से भारत में घुसपैठ करते हुए आतंकियों को भारतीय सेना ढेर कर दिया था। पाकिस्तान को सोचना चाहिए कि इस वक्त वह खुद कोरोना महामारी से जूझ रहा है। महामारी से निपटने के लिए उसके पास कोई तंत्र नहीं है। अर्थव्यवस्था पैंदे में जा चुकी है। तो फिर उसे अपने हालात सुधारने पर ध्यान देना चाहिए, या फिर पड़ोसी मुल्क में आतंकी अभियान जारी रखना चाहिए। यों पाकिस्तान भारत से अच्छे रिश्तों और शांति की उम्मीदें करता है, और दूसरी ओर ऐसे काम करता है जो उसकी मंशा को उजागर करते हैं। पिछले हफ्ते ही उसने मुंबई हमले की साजिश रचने वाले लश्कर के आतंकी जकी उर रहमान लखवी को निगरानी सूची से हटा दिया था। इतना ही नहीं, लखवी के अलावा चार हजार आतंकियों को निगरानी सूची से बाहर कर दिया गया। इसका मतलब तो यह हुआ कि दुनिया की नजर में जो आतंकी हैं, पाकिस्तान उन्हें आतंकी नहीं मानता। इससे यह पता चलता है कि पाकिस्तान आखिर किस दिशा में बढ़ रहा है और भारत के खिलाफ उसकी रणनीति क्या है।

# आर्थिक संकट और भारत

जयंतीलाल भंडारी

एशियाई विकास बैंक (एडीबी) ने वित्त वर्ष 2020-21 में भारत की विकास दर घटने की बात कही है। लेकिन इस वित्तीय संस्थान ने एक खास बात यह भी कही कि भारत के पास ऐसे मजबूत आर्थिक कारक है जिनकी ताकत के बल पर भारत अगले वित्त वर्ष 2021-22 में अपनी अर्थव्यवस्था में अच्छा-खासा सुधार कर सकता है। इसी तरह एशियाई विकास बैंक (एडीबी) ने वित्त वर्ष 2020-21 में भारत की विकास दर घटने की बात कही है। लेकिन इस वित्तीय संस्थान ने एक खास बात यह भी कही कि भारत के पास ऐसे मजबूत आर्थिक कारक है जिनकी ताकत के बल पर भारत अगले वित्त वर्ष 2021-22 में अपनी अर्थव्यवस्था में अच्छा-खासा सुधार कर सकता है। इसलिए है क्योंकि पूरी दुनिया कोरोना महामारी संकट से घिरी है। लेकिन ज्यादा महत्त्वपूर्ण बात यह है कि कई रिपोर्टों ने अर्थव्यवस्था के भविष्य को लेकर जो तस्वीर खींची है, उससे यह साफ होता है कि भारत के बुनियादी आर्थिक घटक उम्मीदों से भरे हैं।

भारत अपनी आर्थिक अनुकूलताओं से अर्थव्यवस्था को वैश्विक मंदी के तूफान के बीच भी बचा सकता है और आने वाले वक्त में नई आर्थिक ताकत बनने की ओर बढ़ सकता है। निसंदेह पूर्णबंदी की चुनौतियों के बीच देश में छह महत्त्वपूर्ण आर्थिक बिंदु उभरते दिखाई दे रहे हैं जो न केवल देश की गिरती हुई अर्थव्यवस्था को सहारा दे सकते हैं, अपितु देश के करोड़ों लोगों को आजीविका संबंधी मुश्किलों से भी बचा सकते हैं। इनमें पहला भारत की अर्थव्यवस्था का काफी हद तक आत्मनिर्भर होना और वैश्विक व्यापार पर भारत की निर्भरता का कम होना। वैश्विक निर्यात में भारत का योगदान केवल 1.7 फीसद है, जबकि वैश्विक आयात में भारत का आयात केवल ढाई फीसद है। ऐसे में पूर्णबंदी के बाद भारत की अर्थव्यवस्था दुनिया की अन्य अर्थव्यवस्थाओं की तुलना में पटरी पर लौटने की संभावनाएं अधिक रखती है।

दूसरा सकारात्मक बिंदु देश के सेवा क्षेत्र में आइटी उद्योग की महत्त्वपूर्ण भूमिका से संबंधित है। सॉफ्टवेयर विकास के कारोबार में इस समय भारत पूरी दुनिया में पहले स्थान पर है। यह बात भी महत्त्वपूर्ण है कि देश में पूर्णबंदी के बीच भी देश की सभी आइटी कंपनियां घर से काम के तहत सफलतापूर्वक अपना कारोबार कर रही हैं। तीसरी बड़ी बात देश में पर्याप्त खाद्यान्न भंडार से जुड़ी है। चौथी बात जो इस वक्त भारत के पक्ष में जाती है, वह यह कि वैश्विक बाजार में कच्चे तेल की कीमतों में भारी कमी है और भारत को इस अवसर का भरपूर फायदा मिल सकता है। अर्थव्यवस्था को मजबूत करने के पक्ष में पांचवी बड़ी बात देश में सोने के आयात में भारी कमी से संबंधित है। छठा महत्त्वपूर्ण पक्ष है पर्याप्त विदेशी मुद्रा भंडार।

वस्तुतः ये भारत के ऐसे बुनियादी आर्थिक घटक बन गए हैं, जिनके सहारे भारत न केवल मौजूदा आर्थिक संकट से निकल सकता है, बल्कि चरमराई वैश्विक अर्थव्यवस्था की तुलना में उसे नुकसान भी अपेक्षाकृत कम ही होगा। विश्व बैंक ने कहा है कि वैश्विक संकट की इस घड़ी में विकसित देशों की अर्थव्यवस्था की तुलना में भारत की अर्थव्यवस्था को कम नुकसान हो रहा है। अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष (आइएमएफ) ने भी 15 अप्रैल को जारी अपनी रिपोर्ट में चेतावनी जारी करते हुए कहा है कि दुनिया में 1930 की वैश्विक मंदी की तरह हालात बन गए हैं, ऐसे में वर्ष 2020 में दुनिया के कई विकसित देशों की अर्थव्यवस्थाओं की विकास दर ऋणात्मक होगी, लेकिन चीन और भारत पर कोरोना संकट का असर तुलनात्मक रूप से कम होगा और भारत की विकास दर 2020 में 1.9 फीसद रहते हुए भी वक्त के हिसाब से दुनिया की अच्छी विकास दर हो सकती है। जबकि चीन की विकास दर 1.2 फीसद रहने की संभावना है।

इसी तरह एशियाई विकास बैंक (एडीबी) ने वित्त वर्ष 2020-21 में भारत की विकास दर घटने की बात कही है। लेकिन इस वित्तीय संस्थान ने एक खास बात यह भी कही कि भारत के पास ऐसे मजबूत आर्थिक कारक है जिनकी ताकत के बल पर भारत अगले वित्त वर्ष 2021-22 में अपनी अर्थव्यवस्था में अच्छा-खासा सुधार कर सकता है। उल्लेखनीय है कि ग्लोबल रेटिंग एजेंसी फिच ने अपनी रिपोर्ट में कहा है कि वैश्विक मंदी से भारत भी प्रभावित होगा और उसकी विकास दर चालू वित्त वर्ष 2020-21 में पिछले तीस वर्षों की सबसे कम विकास दर यानी महज दो फीसद रह जाएगी। लेकिन दुनिया की तुलना में भारत पर मंदी का असर कम होगा। यह तुलनात्मक आर्थिक परिदृश्य इस बात का भरोसा देता है कि वैश्विक मंदी की चुनौतियों के बीच भारत की अर्थव्यवस्था डगमगाने वाली नहीं है। देश के सरकारी गोदामों में खाद्यान्न, दलहन और तिलहन का पर्याप्त भंडार है। देश का वर्तमान खाद्यान्न भंडार करीब डेढ़ साल तक लोगों की खाद्यान्न संबंधी जरूरतों को पूरा कर सकता है। इस महीने के अंत तक देश के सरकारी भंडारों में करीब दस करोड़ टन खाद्यान्न का भंडार होगा। यह बात महत्त्वपूर्ण है कि देश में चल रही विभिन्न जन कल्याणकारी योजनाओं और राशन कार्ड रखने वाले लोगों को वर्ष में करीब छह करोड़ टन अनाज वितरित किया जाता है।

हाल में कृषि मंत्रालय ने जो आंकड़े जारी किए हैं, वे बता रहे हैं कि देश में खाद्यान्न उत्पादन 29.19 करोड़ टन के रिकॉर्ड स्तर पर पहुंच सकता है। कृषि और उससे संबंधित क्षेत्रों के साढ़े तीन फीसद की दर से वृद्धि करने की बात भी सामने आई है। यह भी बताया गया है कि आगामी फसल वर्ष 2020-21 में खाद्यान्न उत्पादन लक्ष्य 29.83 करोड़ टन रखा गया है। पहली बार इतना बड़ा खाद्यान्न उत्पादन लक्ष्य रखा गया है। इस बड़े लक्ष्य के पूरे होने की संभावना इसलिए है कि भारतीय मौसम विज्ञान (आइएमडी) ने इस वर्ष मानसून के अच्छा रहने की भविष्यवाणी की है। अच्छे मानसून से कृषि और घरेलू क्षेत्र के लिए पानी की जरूरत पूरी करने में मदद मिलेगी। बेहतर कृषि से ग्रामीण क्षेत्रों में वस्तुओं और सेवाओं की मांग में वृद्धि होगी और संपूर्ण अर्थव्यवस्था को आगे बढ़ने में मदद मिलेगी।

अगर देश के आयात बिल पर नजर डालें तो पाएंगे कि आयात बिल में पिछले कई वर्षों से लगातार पहला क्रम कच्चे तेल का है और दूसरा सोने का है। अब बदले हुए वैश्विक आर्थिक परिदृश्य के कारण भारत को इन दोनों प्रमुख मदों पर खर्च में कमी से भारी बचत होगी। चूंकि इस वक्त वैश्विक सुस्ती के कारण कच्चे तेल की मांग में भारी कमी आती जा रही है। दुनिया में कच्चे तेल का उत्पादन करने वाले देशों के प्रमुख संगठन- ओपेक और अंतरराष्ट्रीय ऊर्जा एजेंसी (आइइए) ने कहा है कि दुनिया के सबसे बड़े कच्चे तेल आयातक देश चीन में कोरोना महामारी के कारण कच्चे तेल की कीमत वर्ष 1990 के बाद अब न्यूनतम स्तर पर आ गई है।

कच्चे तेल के दाम गिरने का भारत को लाभ मिल सकता है। केंद्र सरकार ने पेट्रोल और डीजल दोनों पर उत्पाद शुल्क बढ़ा दिया है। ऐसे में राजस्व संग्रह के मोर्चे पर चुनौती झेल रही केंद्र सरकार को भारी लाभ होगा। अर्थ विशेषज्ञों का कहना है कि वर्ष 2020 में कच्चे तेल की कीमतों में भारी कमी से ढांचागत विकास के लिए पैसा जुटाने में भी मदद मिलेगी और साथ ही राजकोषीय घाटे में कमी आएगी।

दुनिया के साथ-साथ भारत में भी सोने के दाम ऊंचाई छू रहे हैं। लेकिन सोने की अधिक कीमत हो जाने के कारण देश के लोगों में नए सोने की मांग अधिक नहीं बढ़ी है। इस वर्ष सोने की मांग करीब तीस फीसद कमी आने की संभावना है। सोने की बिक्री पिछले पच्चीस साल की तुलना में सबसे कम रह सकती है। स्थिति यह है कि देश में पुराने सोने और पुराने गहनों की बिक्री सर्वोच्च स्तर पर पहुंच गई है। भारत के बुनियादी आर्थिक मजबूत हैं। कोरोना महामारी संकट के कारण भारत जिस मुश्किल में फंस गया है, उससे यह जल्द ही उबर भी जाएगा। फिलहाल चीन से निकल कर बाहर जाने वाली कंपनियों के लिए भी भारत एक बड़ा और अनुकूल स्थान बन सकता है। सरकार को आर्थिक नीतियां ऐसी बनानी होंगी जो निवेशकों को भी आकर्षित करें।

कोरोना आपदा

# कोरोना का डर छोड़ दें और सहज रहें

वेदप्रताप वैदिक

तालाबंदी (लॉकडाउन) की घोषणा हुए एक महीना हो गया, फिर भी कोरोना पर काबू नहीं हो पा रहा है। पता नहीं, 3 मई तक भी यह तालाबंदी खत्म होगी या नहीं। ऐसे में ज्यादातर लोग घर बैठे-बैठे क्या करें? किसी काम में उनका मन लगता नहीं। बीवी-बच्चों से झड़पों के कई किस्से सुनने में आ रहे हैं।

जो प्रवासी छात्र और मजदूर अधर में लटके हुए हैं, जो अधखुले छात्रावासों में रह रहे हैं या भीड़ भरे शरण-स्थलों में अपना वक्त काट रहे हैं, उनकी परेशानियां भी बेशुमार हैं। यदि उनके खान-पान की व्यवस्था किसी तरह हो जाती है तो भी उनकी सबसे बड़ी समस्या है कि वे अपना दिन कैसे काटें?

### सावधानी के साथ

सबसे पहले तो जरूरी है कि हम अपना मन बुलंद रखें। डरें नहीं। लोगों के दिल में मौत का डर इतना गहरा बैठ गया है कि उनकी सिट्टी-पिट्टी गुम हो गई है। भारत जैसे 140 करोड़ लोगों के देश में कोरोना से मौत का आंकड़ा अभी 700 तक पहुंचा है जबकि अमेरिका जैसे देश में 50 हजार तक पहुंच रहा है। यदि भारत और अमेरिका की जनसंख्या के हिसाब से देखें तो भारत में यह आंकड़ा चौगुना-पांच गुना यानी दो-ढाई लाख हो जाता। हमारे देश में विभिन्न रोगों से रोज मरनेवालों की संख्या 22 से 25 हजार होती है।

जो लोग कोरोना से मर रहे हैं, वे कौन हैं? उनमें से ज्यादातर लोग वे हैं, जिनके शरीर को कई गंभीर रोगों ने पहले से अपना घर बना रखा है और जो लोग तालाबंदी के परहेजों का उल्लंघन कर रहे हैं। ऐसे लोगों के लिए भी इलाज की भरसक कोशिश हो रही है। कोरोना से पूर्ण मुक्ति पानेवाले लोगों की संख्या भारत में सबसे ज्यादा है। अब जांच-यंत्र लाखों में तैयार हो गए हैं और करोड़ों मुखपट्टियां बाजार में आ गई हैं। ऐसी स्थिति में भारत के लोगों को उदास और निराश होने की बिल्कुल भी जरूरत नहीं है। दूसरा, देश के 99 प्रतिशत लोग घरों में टिके हुए हैं और शारीरिक दूरी (सामाजिक दूरी नहीं) बरतने, हाथ धोने और मुखपट्टी लगाने की सावधानी बरत रहे हैं। आप शारीरिक दूरी जरूर बढ़ाएं लेकिन सामाजिक दूरी घटाइए। सामाजिक निकटता बढ़ाने का सबसे आसान यंत्र है-मोबाइल फोन। इस पर मित्रों और परिचितों से खूब बात कीजिए। वाट्सऐप पर उनको सजीव देखते रहिए और खुद को भी दिखाते रहिए। इंटरनेट के जरिए आप सारी दुनिया से जीवंत संपर्क रख सकते हैं, सिनेमा देख सकते हैं, भजन और संगीत सुन सकते हैं, किताबें पढ़ सकते हैं।

तीसरा, ध्यान कीजिए। इसके अलावा एक नया प्रयोग कर सकते हैं। अपने हर काम में ढील दे दीजिए। खुद को एकदम ढीला छोड़ दीजिए। आप जितने काम जितने समय में करते हैं, अब उन्हें करने में आप उसका दोगुना या चौगुना समय लगाइए। जैसे आप रोटी का एक ग्रास एक मिनट में खाते हैं तो उसे अब दो या चार मिनट में खाइए। उस पर ध्यान लगाइए। अब देखिए क्या होता है? सबसे पहले तो उसका असली स्वाद आप चखेंगे। फिर उसके चबाने की आवाज आपको सुनाई देगी और आप अगर आंख बंद कर लें तो आपको अपने दांत, जुबान और ग्रास भी दिखने लगेंगे।

यह जीवन का एकदम नया अनुभव होगा। इस ध्यान प्रक्रिया को आप अपने चलने-फिरने, बोलने- लिखने, उठने-बैठने, कपड़े पहनने-उतारने आदि पर भी लागू कर-के देखिए। चौथा, आप दो-तीन घंटे रोज स्वाध्याय में भी बिता सकते हैं। अखबारों पर अब लोग कोरोना-काल में दोगुना समय खर्च कर रहे हैं। बैठे-बैठे आप अपनी आत्मकथा या डायरी भी लिख सकते हैं। पांचवां, रसोई में नए-नए व्यंजन बनवाए जा सकते हैं। उसमें खुद भी हाथ बटाएं। कई घरेलू खेल भी खेले जा सकते हैं।

छठा, यदि एक घंटा रोज आप आसन, प्राणायाम और व्यायाम करें तो कोरोना से आपकी रक्षा में मदद तो मिलेगी ही, दीर्घायु भी मिलेगी और आगे जाकर कार्यक्षमता भी बढ़ेगी। साफ-सफाई और थोड़ी बागवानी करें तो मन भी खूब लगेगा। सातवां, जिन लोगों को टीवी देखने की कभी फुर्सत नहीं मिलती थी, वे भी आजकल घंटों टीवी के सामने बैठे रहते हैं। उन पर चलनेवाली दुखद और निंदनीय खबरों को लगातार देखते रहने से दर्शकों का मन डूबने लगता है। उनका अचेतन मन चिंता से बोझिल हो जाता है। टीवी वालों की यह मजबूरी है। कुछेक चैनलों को छोड़कर ज्यादातर चैनल पार्टी-प्रवक्ताओं के फूहड़ दंगल दिखाने में एक-दूसरे को मात करते हैं। इनसे आप इस दौर में खुद को बचाएं, यह जरूरी है। टीवी देखें, लेकिन संभलकर!

आठवां, उदासीनता के इस दौर में अपने मन को खुश रखने का एक नयाब तरीका यह भी है कि अपने घर में बैठे-बैठे या लेटे-लेटे आप उन दिवंगत और जीवित अपने पुराने प्रिय परिचितों को याद करें, जिन्हें आपकी व्यस्तता ने स्मृति-कक्ष में संजो दिया है। जो जीवित हैं, उनसे जरा संपर्क करके देखें, उनकी और आपकी प्रसन्नता का कोई पारावार नहीं रहेगा। इस दौर में आप उन प्रिय प्रसंगों को भी याद करें, जिनके कारण आपके जीवन में ऊर्जा और आनंद का संचार हुआ है। वे प्रसंग आज की उदासीनता और निराशा के बादलों में बिजली का काम करेंगे।

### मसालों की ताकत

नौवां, मुझे विश्वास है कि इस लेख के पाठक कोरोना के मरीज नहीं हैं और यदि वे हैं तो भी उनसे मेरा अनुरोध है कि हम भारतीयों के घरों में जिन पारंपरिक मसालों का भोजन में इस्तेमाल होता है, उनका काढ़ा बनाकर वे रोज क्यों नहीं पीते? उससे कोई भी नुकसान होने की आशंका बिल्कुल नहीं है।

यह ठीक है कि वह काढ़ा कोरोना का एकदम पक्का इलाज नहीं है, लेकिन इसमें जरा भी शक नहीं है कि वह मनुष्यों की प्रतिरोध-शक्ति बढ़ाता है। गिलोय, हल्दी, दालचीनी, तुलसी, अदरक, काली मिर्च, अजवाइन, लौंग आदि का दैनिक प्रयोग ही भारतीयों पर अभी तक इस महामारी को हावी नहीं होने दे रहा है।

ज्ञान गंगा

## न देने वाला मन

एक भिखारी सुबह-सुबह भीख मांगने निकला। चलते समय उसने अपनी झोली में जौ के मुी भर दाने डाल लिए। टोटके या अंधविश्वास के कारण भिक्षाटन के लिए निकलते समय भिखारी अपनी झोली खाली नहीं रखते। थैली देख कर दूसरों को लगता है कि इसे पहले से किसी ने दे रखा है। पूर्णिमा का दिन था, भिखारी सोच रहा था कि आज ईश्वर की कृपा होगी तो मेरी यह झोली शाम से पहले ही भर जाएगी। अचानक सामने से राजपथ पर उसी देश के राजा की सवारी आती दिखाई दी। भिखारी खुश हो गया। उसने सोचा, राजा के दर्शन और उनसे मिलने वाले दान से सारे दरिद्र दूर हो जाएंगे, जीवन संवर जाएगा। जैसे-जैसे राजा की सवारी निकट आती गई, भिखारी की कल्पना और उत्तेजना भी बढ़ती गई। जैसे ही राजा का रथ भिखारी के निकट आया, राजा ने अपना रथ रुकवाया, उतर कर उसके निकट पहुंचे। भिखारी की तो मानो सांसें ही रुकने लगीं। लेकिन राजा ने उसे कुछ देने के बदले उलटे अपनी बहुमूल्य चादर उसके सामने फैला दी और भीख की याचना करने लगे। भिखारी को समझ नहीं आ रहा था कि क्या करे। अभी वह सोच ही रहा था कि राजा ने पुनर.याचना की। भिखारी ने अपनी झोली में हाथ डाला, मगर हमेशा दूसरों से लेने वाला मन देने को राजी नहीं हो रहा था। जैसे-तैसे कर उसने दो दाने जौ के निकाले और उन्हें राजा की चादर पर डाल दिया। उस दिन भिखारी को रोज से अधिक भीख मिली, मगर वे दो दाने देने का मलाल उसे सारे दिन रहा। शाम को जब उसने झोली पलटी तो उसके आश्चर्य की सीमा न रही। जो जौ वह ले गया था, उसके दो दाने सोने के हो गए थे। उसे समझ में आया कि यह दान की ही महिमा के कारण हुआ है। वह पछताया कि काश! उस समय राजा को और अधिक जौ दी होती, लेकिन नहीं दे सका, क्योंकि देने की आदत जो नहीं थी।

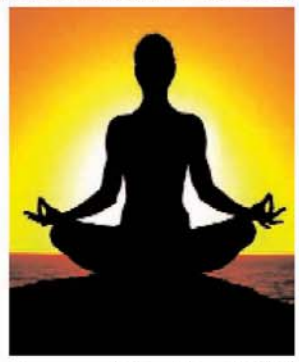

नया सवेरा

रवि ने अपनी नव किरणों को चारों ओर विखेरा।
देख सुनहरी रवि किरणों को भागा घोर अँधेरा।
पंछी मधु कलरव करते हैं,नदिया गीत सुनाती--
फूल महकते,हँसते,खिलते,आया नया सवेरा।
नव उमंग,उल्लास,हास नव, मन में जाग गया।
सुस्ती,नींद,अचेतन,आलस,तन भी त्याग गया।
रात चमकते तारक मोती अँधकार में जो--
सब समेट कर उन्हें अँधेरा झटपट भाग गया।

श्याम सुन्दर श्रीवास्तव कोमल
व्याख्याता-हिन्दी
अशोक उ0मा0विद्यालय, लहार

### सी.एम. हेल्पलाइन से 4 लाख 38 हजार से अधिक लोगों को मिली राहत

ग्वालियर। प्रदेश में कोरोना के कारण लागू लॉकडाउन में सी.एम. हेल्पलाइन नम्बर 181 आम नागरिकों और सभी जरूरतमंदों के लिये सबसे बड़ा आसरा केन्द्र बन गया है। इस नम्बर पर अब तक 4 लाख 38 हजार 043 लोगों को फोन करने पर भोजन, राशन, दवाओं, परिवहन तथा अन्य प्रकार की राहत उपलब्ध कराई गई है। सी.एम. हेल्पलाइन किसानों के लिये भी मददगार साबित हो रही है। इस पर अब तक किसानों की फसल कटाई, फसल परिवहन आदि की 1015 समस्याओं का तुरंत निराकरण सुनिश्चित किया गया है।प्राप्त विस्तृत जानकारी के अनुसार सी.एम. हेल्पलाइन नम्बर 181 पर अब तक भोजन संबंधी 3 लाख 50 हजार 187, परिवहन संबंधी 21 हजार 191, दवाइयों संबंधी 27 हजार 200, आवश्यक वस्तुएं जैसे दूध, सब्जी आदि संबंधी 13 हजार 558 तथा अन्य प्रकार की 25 हजार 907 समस्याओं की जानकारी मिलते ही त्वरित कार्रवाई कर सहायता मुहैया कराई गई।

# पेड़ ही हैं गर्म होते ग्रह की आखिरी उम्मीद

ग्रीम पी बर्लिन

हमारे ग्रह के संपूर्ण जीवन के लिए पेड़ों के कई लाभ हैं। हमारे वायुमंडल में ऊंची जगह अख्तियार करके वे कार्बन सोखने और ऑक्सिजन छोड़ने में जुटे रहते हैं। यही वह प्रक्रिया है जो मनुष्य जैसे सभी वायुनिर्भर जीवों का जीवित रहना संभव बनाती है। उनकी जड़ें धरती में गहरे धंसी रहती हैं, जहां राइजोस्फेयर (सूक्ष्म जीवों वाला भू-स्तर) के आसपास से पोषक तत्व खींचकर वे उन्हें रिसाइकल करते रहते हैं।

पेड़ धरती की ठोस सतह का तकरीबन एक तिहाई हिस्सा घेरे हुए हैं लेकिन फोटोसिंथेसिस की प्रक्रिया से पूरे ग्रह की कोई दो तिहाई कार्बन राशि के संग्रहण के लिए वे ही जिम्मेदार हैं। यह चमत्कार पेड़ों की पत्तियों द्वारा अंजाम दिया जाता है, जो इनके तनों और शाखाओं के साथ ही पर्यावरण में अपनी जगह बनाती हैं। खास बात यह कि पेड़ों की पत्तियां अन्य जमीनी पौधों की तुलना में प्रति इकाई भू-क्षेत्रफल के अनुपात में कहीं ज्यादा सतह घेरती हैं। कार्बन संग्रहण के मामले में पेड़ों की इतनी बड़ी भूमिका होने का मुख्य कारण यही है। लेकिन मामले का एक और विशिष्ट पहलू पेड़ों का दीर्घ जीवन भी है। अपनी फोटोसिंथेसिस की प्रक्रिया में वे कार्बन डाईऑक्साइड से जो कार्बन सोखते हैं, वह उनके समूचे जीवनकाल में उनके भीतर ही जमा रहता है। जनसंख्या बढ़ने के कारण पैदा हुई तमाम जरूरतों के चलते जब हम पेड़ काटते हैं तो कार्बन जमा करने के इतने बड़े ठिकानों से हाथ धो बैठते हैं। इसीलिए शहर, पार्क और जंगली इलाकों में जहां जिस भी प्रजाति के पेड़ उपयुक्त हों, जहां वे ठीक से फल-फूल सकें, वहां हमें इनको लगाना जारी रखना चाहिए। गिफोर्ड पिंचोट ने सोलन ग्रेव्ज के साथ मिलकर येल यूनिवर्सिटी फॉरेस्ट्री स्कूल की स्थापना की थी। वे एक जगह कहते हैं, जंगलों का प्रबंधन दीर्घकालिक रूप से अधिकतम लोगों की अधिकतम भलाई को ध्यान में रखते हुए किया जाना चाहिए। एक स्वस्थ ग्रह का जीवित रहना निश्चय ही अधिकतम भलाई के कामों में से एक है। और भलाई के इस चक्र में पेड़ों की पत्तियां धरती की ऊर्जा का केंद्रीय तत्व हैं। ये आपस में मिलकर पेड़ों का शिखर बनाती हैं और पेड़ों के शिखर मिलकर जंगल की कैनोपी (चंदोवा) को आकार देते हैं। यह कैनोपी एक सतह वाली भी हो सकती है, और कई सतहों वाली भी हो सकती है। यह इस पर निर्भर करता है कि जंगल में पेड़ों की कौन-कौन सी प्रजातियां हैं और उनमें पेड़ों की संख्या कितनी है। कैनोपी और वन में इससे ऊपर जाने वाले और नीचे रह जाने वाले पेड़-पौधे एक जटिल पारिस्थितिकी तंत्र का निर्माण करते हैं, जिसकी हर परत में उस पर निर्भर असंख्य जीव-जंतु रहते हैं, जैसे कीट-पतंगे, पक्षी, स्तनपायी और दूसरे जीव। ये पेड़ों और जंगलों की जैव विविधता को और बढ़ाते हैं। कैनोपीज का रहना यह भी बताता है कि किस तरह जंगल वातावरण से नाइट्रोजन जुटा लेते हैं और बिना किसी उर्वरक के पूरी शान से जीवित रहते हैं। इसके विपरीत खेती के काम आने वाले मैदान बार-बार अपनी नाइट्रोजन गंवा देते हैं और उत्पादन के लिए उन्हें खाद की जरूरत पड़ती रहती है। कई फलीदार और गैर-फलीदार पेड़ सूक्ष्मजीवियों (राइजोबिया, फ्रैंकिया) के साथ सहजीविता का संबंध कायम करके अपने लिए सीधे वातावरण से नाइट्रोजन का जुगाड़ कर लेते हैं। यह प्रकृति की एक और अद्भुत व्यवस्था है। जंगल खुद अपने वातावरण को सुधारते भी रहते हैं। 1930 के दशक में अमेरिका के राष्ट्रपति फ्रैंकलिन डी.रूजवेल्ट ने धूल का कटोरा कहे जाने वाले उत्तरी डकोटा से टैक्सस के इलाके में वायुरोधी वन लगाना शुरू किया ताकि सतह की मिट्टी को उड़ने से रोका जा सके। इसमें असल भूमिका पेड़ों की चोटियां निभाती हैं। जाड़ों में जंगल में गर्मी महसूस होती है क्योंकि हवा कम चलती है। लेकिन गर्मियों में जंगल ठंडे रहते हैं क्योंकि पेड़ों के शिखर वनभूमि को ढककर उसे सूर्य के सीधे बिकिरण से बचाते हैं। यह चीज बर्फ पिघलने के मामले में भी देखी जाती है, जो खुले मैदानों और चरागाहों में पहले पिघलती है और यहां के जानवरों को भी प्रभावित करती है। पेड़ पिछले करीब 40 करोड़ वर्षों से पृथ्वी पर हैं जबकि इंसानों की सबसे पुरानी जड़ भी महज 10 करोड़ साल पुरानी है। किसी समय यहां कोनिफर्स (शंकु वृक्ष) और अन्य जिम्नस्पर्म (अनावृतबीजी वृक्ष) की बहुलता थी। लेकिन क्रिटेशस युग में फूल वाले पौधों का उद्भव हुआ और वे आज पृथ्वी की प्रमुख वनस्पति हैं। जिम्नस्पर्म समूह के ज्यादातर पेड़-पौधे विलुप्त हो गए। कई वृक्ष प्रजातियां तो बिल्कुल हाल में विलुप्त हुई हैं। उदाहरण के लिए अमेरिकी चेस्टनट (छोटा अखरोट) एक समय उत्तर-पूर्वी अमेरिका के जंगलों में छाए हुए थे, पर चेस्टनट ब्लाइट नाम की एक फफूंद ने इस उत्कृष्ट और उपयोगी प्रजाति का लगभग पूरी तरह सफाया कर डाला। मेरा अपना प्रिय पेड़ रेडवुड है। इसका काफी फैलाव जलवायु परिवर्तन, कीड़ों-मकोड़ों तथा बीमारियों की भेंट चढ़ गया। ये पेड़ बहुत जल्दी बड़े होते हैं और लंबे समय तक जीवित रहते हैं। ब्रिस्टलकोन पाइन जैसे पेड़ भी दीर्घजीवी होते हैं, पर वे धीरे-धीरे बढ़ते हैं। इसके विपरीत रेडवुड के पेड़ अपनी पत्तियों और ढांचे में बदलाव करते हुए हर हाल में बढ़ते रहते हैं। नुकसान होने की स्थिति में वे खुद अपनी बनावट भी दुरुस्त कर लेते हैं।

कोरोना महामारी के चलते नई टीम का नहीं कर पाए गठन

# इकबाल सिंह बैंस पुरानी टीम से अभी चला रहे काम

लोकदेश संवाददाता ■ भोपाल

प्रदेश के प्रशासनिक मुखिया बने हुए इकबाल सिंह बैंस को एक माह का समय हो चुका है। इसके बाद भी वे अपनी टीम नहीं बना सके हैं। इसकी वजह है पद संभालते ही उनके सामने कोरोना महामारी की बड़ी चुनौती का आ जाना। यही वजह है कि वे नई जिम्मेदारी मिलने के बाद से ही लगातार इस चुनौती से निपटने में लगे हुए हैं। उनका पूरा समय फिलहाल मुख्यमंत्री और अधिकारियों के साथ बैठक, वीडियो कांफ्रेंसिंग और समन्वय बनाने में जा रहा है। इसके चलते ही वे अब तक अपने स्टाफ में मनपसंद अधिकारियों की पदस्थापना से लेकर नई प्रशासनिक टीम तक का गठन नहीं कर पाए हैं। इसके चलते उन्हें पुरानी टीम के साथ ही काम करना पड़ रहा है। बैंस ने अपने स्टाफ में आईएएस अफसर अरविंद दुबे को उप सचिव के पद पर पदस्थ किया था, लेकिन उन्हें भी इंदौर भेजना पड़ा है। उनके कार्यालय में अभी कई पद रिक्त हैं, इसके बाद भी उन्हें नहीं भरा जा सका है। इसकी वजह है महामारी का प्रकोप बढ़ना। गौरतलब है कि बैंस ने 25 मार्च को प्रदेश के प्रशासनिक मुखिया की कमान संभाली थी। बैंस के कार्यभार संभालते ही उन्हीं के बैच के एम गोपाल रेड्डी को मुख्यसचिव के पद से कार्यमुक्त कर दिया गया था, लेकिन वे अभी भी नई पदस्थापना की बाट देख रहे हैं। हालांकि अध्यक्ष राजस्व मंडल का पद खाली पड़ा है। बीते माह 31 तारीख को शहडोल कमिश्नर के रिटायर होने से वहां प्रभार से काम चलाया जा रहा है। यहां का प्रभार रीवा कमिश्नर डॉ. अशोक भार्गव को दिया गया है। इस दौरान सचिव वेतनमान के कुछ अधिकारी भी रिटायर हो गए हैं।

## गोपाल रेड्डी अभी भी नई पदस्थापना की देख रहे है राह

### लोकायुक्त डीजी 30 को होंगे रिटायर

इसी तीस अप्रैल को डीजी लोकायुक्त अनिल कुमार सेवानिवृत्त हो रहे हैं। इसके साथ ही नए डीजी लोकायुक्त के नाम को लेकर चर्चा शुरू हो गई है। संभावना है कि भारतीय पुलिस सेवा के 1987 बैच के अधिकारी पवन जैन एडीजी लोकायुक्त को पदोन्नत कर वहीं पदस्थ कर दिया जाएगा। इसके साथ ही लोकायुक्त में एडीजी के दो पद रिक्त हो जाएंगे। वहां भी नए अधिकारियों की पदस्थापना की जाना है।

### एक पद अभी रिक्त

वर्तमान में प्रदेश में मुख्य सचिव वेतनमान का एक पद रिक्त चल रहा है। फिलहाल इस वेतनमान में सोलह पद स्वीकृत हैं। पद रिक्त होने की वजह है एसीएस वेतनमान में पदोन्नती के लिए डीपीसी का न होना। डीपीसी मार्च के अंतिम सप्ताह में प्रस्तावित थी , लेकिन लॉकडाउन के चलते यह टालनी पड़ गई। एसीएस वेतनमान के लिए होने वाली डीपीसी में भारत सरकार का एक सचिव भी सदस्य होता है। यह एक पद एसआर मोहंती की सेवानिवृत्ति की वजह से रिक्त हुआ है। इसी तरह से एक और पद 31 मई को व्यापमं अध्यक्ष प्रभांशु कमल की सेवानिवृत्ति से रिक्त हो जाएगा।

### मई में एक पद होगा खाली

अगले माह भी एक पद और खाली हो जाएगा। यह पद तीस जून को माध्यमिक शिक्षा मंडल की अध्यक्ष सलीना सिंह की सेवानिवृत्ति की वजह से होगा। इन रिक्त पदों पर भारतीय प्रशासनिक सेवा के 1990 बैच के अधिकारियों को पदोन्नत किया जाना है। इस बैच में डॉ. राजेश राजौरा, एसएन मिश्रा, अश्विनी कुमार राय, मलय श्रीवास्तव, अजीत केसरी, पंकज राग, अशोक शाह व अलका उपाध्याय शामिल हैं। अलका उपाध्याय वर्तमान के भारत सरकार में प्रतिनियुक्ति पर हैं।

### विद्युत नियामक आयोग अध्यक्ष का पद रिक्त

पिछले साढ़े तीन माह से विद्युत नियामक आयोग के अध्यक्ष का पद रिक्त है। अध्यक्ष के चयन के लिए दो बार तारीख तय हुई, लेकिन बैठक नहीं हो पाई। अब नए मुख्य सचिव इकबाल सिंह बैंस द्वारा आयोग अध्यक्ष के चयन के लिए बैठक बुलाई जाएगी।

# आर्थिक स्थिति सुधारने सरकार करेगी 'योजनाबंदी'

### अफसर बेकाम की योजनाओं की बना रहे कुंडली

लोकदेश संवाददाता ■ भोपाल

कोरोना महामारी को रोकने के लिए लागू किए गए लाकडाउन से प्रदेश सरकार की आर्थिक हालात बुरी तरह से बिगड़ने लगी है। लगतार खराब होती अर्थव्यवस्था से निपटने के लिए अब राज्य की शिवराज सरकार कुछ कड़े और बड़े कदम उठाने की तैयारी में लग गई है। इसके तहत सरकार कई मौजूदा योजनाओं को बंद करने की तैयारी कर रही है। दरअसल, लोकडाउन के चलते सरकार को विभिन्न करों से होने वाली आय पूरी तरह से बंद हो चुकी है। इसके चलते पहले से खाली चल रहे सरकार के खजाने की स्थिति बदहाल होती जा रही है। यही वजह है कि सरकार को इससे निपटने का सबसे आसान तरीका योजनाबंदी का नजर आ रहा है। इसकी तैयारी के लिए वरिष्ठ प्रशासनिक स्तर पर तैयारी भी शुरू हो गई है। इसके चलते ही मुख्य सचिव इकबाल सिंह बैंस विभागों के अफसरों से बंद की जा सकने वाली योजनाओं के बारे में जानकारी भेजने के निर्देश नोटसीट के माध्यम से मांग भेजने को कह चुके हैं। यही नहीं, कुछ योजनाओं को भी फिलहाल ठंडे बस्ते में डालने की भी तैयारी की जा रही है।

### योजनाओं की राशि में कटौती

दरअसल, सरकार अब सिर्फ उन योजनाओं पर ही पूरा फोकस करने की तैयारी कर रही है जो बेहद जरूरी है। प्रदेश की अर्थव्यवस्था बीते एक साल से बेहद मुश्किल दौर से गुजर रही है। जरूरी खर्चों तक के लिए कर्ज का सहारा लेना पड़ रहा है। किसानों की कर्जमाफी के कारण पहले ही दूसरी योजनाओं की राशि में कटौती की जा चुकी है। राशि जुटाने के लिए शासकीय संपत्तियों को नीलाम करने की प्रक्रिया भी की जा रही है। इसके अलावा दूसरे स्रोतों से वित्तीय संसाधन जुटाने पर भी मंथन किया जा रहा है।

### यह मांगी गई जानकारी

मुख्य सचिव कार्यालय और वित्त विभाग ने सभी विभागों से ऐसी योजनाओं के बारे में बताने के लिए कहा है, जो अत्यावश्यक श्रेणी में आती हैं। वे योजनाएं कौन-सी हैं, जिन्हें बंद किया जा सकता है। कौन-सी ऐसी नई योजना चलाई जानी चाहिए, जो कोरोना के कारण पैदा हुई स्थिति में जरूरी हैं। इनमें कितनी राशि लगेगी और कितने लोग प्रत्यक्ष या अप्रत्यक्ष तौर पर लाभांवित होंगे। केंद्रीय मंत्रियों और अधिकारियों के साथ होने वाली वीडियो कॉन्फ्रेंस में तो इन मुद्दों को उठाया ही जाएगा, मुख्यमंत्री की ओर से पत्र भी भेजे जाएंगे।

### कर संग्रहण का काम बेपटरी

आर्थिक मंदी के कारण केंद्र सरकार के स्तर पर भी राजस्व संग्रहण में कमी आई है। इसके चलते वर्ष 2019-20 के बजट पुनरीक्षण में मध्य प्रदेश को मिलने वाला केंद्रीय करों में हिस्सा 14 हजार 443 करोड़ रुपए कम हो गया। केंद्रीय सहायता अनुदान में भी कमी आई है। आर्थिक गतिविधियां ठप होने की वजह से कर संग्रहण का काम जल्द पटरी पर आने की उम्मीद भी नहीं है। इसे देखते हुए शिवराज सरकार अब मितव्ययिता पर जोर देने जा रही है। यही वजह है कि अब गैर जरूरी योजनाओं को बंद किया जाएगा।

### बजट में भी होगा फेरबदल

कोरोना की स्थिति नियंत्रित रही तो विधानसभा के मानसून सत्र में शिवराज सरकार का पहला बजट प्रस्तुत होगा। इसमें बड़े पैमाने पर योजनाओं में काट-छांट की जाएगी। वित्त विभाग ने इसको लेकर काफी तैयारियां कर रखी हैं। चार समूह बनाकर बैठकें भी हो चुकी हैं। कोरोना संकट से निपटने के बाद सरकार का पूरा फोकस वित्तीय प्रबंधन पर ही रहेगा।

## पहल : हरियाणा में फंसे श्रमिकों की घर वापसी शुरू

**भोपाल।** मध्यप्रदेश सरकार की पहल पर हरियाणा से मध्यप्रदेश के करीब डेढ़ हजार श्रमिकों की घर वापसी का कार्य शुरू हो गया है। ये श्रमिक हरियाणा में 16 शिविरों में ये श्रमिक ठहराए गए थे। प्रमुख सचिव खनिज साधन नीरज मंडलोई ने बताया कि कल रात और आज सुबह हरियाणा राज्य परिवहन निगम की 45 बसें 1350 श्रमिकों को लेकर मध्यप्रदेश के लिये रवाना हो गई हैं। ये बसें आज शाम तक ग्वालियर पहुंच जाएंगी। ग्वालियर जिला प्रशासन घर लौट रहे श्रमिकों के लिये भोजन आदि की व्यवस्था कर उन्हें उनके गृह जिलों के लिए रवाना करेगा। श्रमिकों को संस्थागत क्वॉरिंटाइन की आवश्यकता नहीं होगी। उन्हें अपने घरों में कुछ अवधि के लिए क्वॉरिंटाइन में रहने को कहा गया है। एहतियातन सभी श्रमिकों की स्वास्थ्य जांच भी करवाई गई है। आगे भी जाँच पुनः करवाई जाएगी।

## सभी निर्देश राजभाषा हिंदी में जारी करें : मंत्री

भोपाल। कृषि विकास एवं किसान कल्याण मंत्री कमल पटेल ने प्रमुख सचिव को निर्देश दिये है कि समस्त विभागीय निर्देश राजभाषा हिन्दी में जारी करना सुनिश्चित करें। उन्होने कहा कि मध्यप्रदेश में विभाग के उद्देश्य एवं महत्व को दृष्टिगत रखते हुए समस्त योजनाएँ किसानों के कल्याण को लक्षित कर तैयार की जाती है। किसानों से संबंधित जारी होने वाले समस्त विभागीय दिशा-निर्देश एवं पत्राचार सरलीकृत रूप में राजभाषा हिन्दी में ही जारी करें।

## पुराने शहर में तीसरे दिन भी रही पानी की किल्लत

भोपाल। भोपाल टॉकीज के पास कोलार की पाइप लाईन का लीकेज में सुधार नहीं होने से मंगलवार को भी पानी की किल्लत रही। इसे सुधारने के लिए लोकल शट-डाउन लिया जा रहा है। ऐसे में पुराने शहर के कई क्षेत्रों में लगातार तीसरे दिन जलसंकट बना रहा। भोपाल टॉकीज के पास कोलार की पाइप लाईन रविवार को फूट गयी थी। इस कारण पीजीबीटी कॉलेज, चौकसे नगर, शांति नगर, बैरसिया रोड व अन्य इलाकों में रविवार और सोमवार और मंगलवार को पानी की किल्लत रही। नगर निगम के जलकार्य के अधिकारियों ने बताया कि कोलार प्लांट की बिजली रविवार को तीन बार बंद हो गयी थी। इस वजह से लाईन मे पानी का पर्याप्त प्रेशर नहीं बन पाया।

# गेहूं खरीदी केन्द्रों पर कोरोना से सुरक्षा की व्यवस्थाओं से खुश हैं किसान

लोकदेश संवाददाता ■ भोपाल

प्रदेश में गेहूं उपार्जन केन्द्रों पर कोरोना संक्रमण से बचाव के लिये किये गये पर्याप्त इंतजामों से किसान चिन्तामुक्त होकर अपनी उपज बेच रहे हैं। किसान स्वयं सोशल डिस्टेंसिंग का पालन कर रहे हैं, मास्क लगाकर ही खरीदी केन्द्र पर पहुंच रहे हैं। शिवपुरी जिले के ग्राम भौराना के किसान रोरीलाल रावत के मन में यह डर था कि कोरोना वायरस महामारी के प्रकोप के चलते खरीदी केन्द्र पर जाना चाहिए अथवा नहीं। जब वे खरीदी केन्द्र पर पहुँचे और वहाँ बचाव की व्यवस्थाओं को देखा तो वे निश्चिंत हो गये। उन्होंने देखा कि खरीदी केन्द्र पर हाथ धोने के लिये पानी और साबुन रखा गया था। किसानों को मास्क के उपयोग की सलाह दी जा रही थी और मास्क का इंतजाम भी किया गया था। गुना जिले के ग्राम घनोरिया में स्थापित उपार्जन केन्द्र में महिला स्व-सहायता समूह की महिलाएं 8 से 10 घंटे तक ड्यूटी दे रही हैं। ये महिलाएँ किसानों को तथा तुलाई और सिलाई में लगे श्रमिकों-हम्मालों से सोशल डिस्टेंसिंग का पालन करा रही हैं। केन्द्र में पीने के ठण्डे पानी, सेनेटाइजर, मास्क और छाया की समुचित व्यवस्था सुनिश्चित कर रही हैं।

केन्द्र में सुरक्षा उपायों के तौर पर मास्क का वितरण भी किया जा रहा है। यहाँ अब तक 5 हजार क्विंटल से अधिक गेहूँ की खरीदी की जा चुकी है। केन्द्र में ऐसे किसान और परिवहन में लगे कर्मचारी, जिन्हें रात में रुकने की जरूरत पड़ती है, उनके लिये भोजन की व्यवस्था भी की गई है।

होशंगाबाद जिले में सिवनी-मालवा तहसील की नंदरबाड़ा सोसायटी में गेहूँ बेचने आये किसान सुमेर ने देखा कि खरीदी केन्द्र पर किसानों की सुविधा के लिये सभी जरूरी व्यवस्थाएँ की गई हैं। सोसायटी का पूरा अमला किसानों की सुविधाओं का पूरा ख्याल रख रहा है। देवास जिले में ग्राम उपड़ी के किसान अनिल पटेल लॉकडाउन के दौरान सौदा-पत्रक के माध्यम से समर्थन मूल्य से अधिक मूल्य पर करीब 100 क्विंटल गेहूँ बेचकर बहुत खुश हैं। उन्होंने राज्य सरकार की सौदा-पत्रक व्यवस्था की सराहना की है। नीमच जिले के ग्राम जवासा के किसान कैलाशचन्द्र ने खरीदी केन्द्र पर अपना 26 क्विंटल और जगदीश व्यास ने अपना 43 क्विंटल गेहूँ 1925 रुपए प्रति क्विंटल के भाव पर बेचा है। जिले में 41 खरीदी केन्द्रों पर अब तक 4447 किसानों ने एक लाख 15 हजार 117 क्विंटल गेहूँ बेचा है। आगर-मालवा जिले के ग्राम रलावती के किसान सुजान सिंह गेहूँ उपार्जन केन्द्र पिपलिया घाटा पर अपनी 54 क्विंटल गेहूँ उपज बेचकर चिंता मुक्त दिखे। उन्होंने राज्य सरकार की किसानों को एसएमएस के माध्यम से सूचना देने की व्यवस्था की सराहना की। उनका कहना था कि इस व्यवस्था से खरीदी केन्द्र पर कोरोना संक्रमण के दौर में किसानों को सुरक्षा मिली है। बड़वानी जिले में बनाये गये 26 खरीदी केन्द्रों पर निरंतर गेहूँ की खरीदी की जा रही है।

## पीएचक्यू कर्मचारियों के दफ्तर आने पर रोक

**भोपाल।** पुलिस महकमे में कोरोना वायरस के संक्रमण वाले मरीजों की लगातार संख्या बढ़ने के चलते पुलिस मुख्यालय ने अधिकारियों और कर्मचारियों के दफ्तर आने पर रोक लगा दी है। पीएचक्यू ने इसको लेकर आगामी आदेश तक का जिक्र किया है। यानी यह रोक कम से कम तीन मई तक प्रभावी रहेगी। उसके बाद कोरोना वायरस के संक्रमित मरीजों की संख्या को देखते हुए मुख्यालय आगे फैसला करेगा। यह आदेश एडीजी प्रशासन अजय कुमार शर्मा ने जारी किया है। यह आदेश पीएचक्यू के समस्त विभागाध्यक्षों को दिया है। एडीजी प्रशासन ने पहले 27 अप्रैल तक के लिए रोक लगाई थी। अब उसे बढ़ाकर आगामी आदेश तक के लिए कर दिया है। जारी आदेश में कहा कि लाक डाउन के दौरान पुलिस के अधिकारियों और कर्मचारियों द्वारा कर्तव्य निर्वहन के दौरान विभिन्न स्तर पर संक्रमण की घटनाओं के मद्देनजर पूरी सावधानी बरतना जरूरी है। समस्त अधिकारी और कर्मचारी आवश्यक शासकीय कार्य होने की दशा में कार्यालय आएं।

## कोविड-19 रोगियों पर लागू होगा एम्स का क्लीनिकल प्रोटोकॉल

लोकदेश संवाददाता ■ भोपाल

प्रदेश में कोविड-19 के रोगियों के प्रबंधन के लिए एम्स, नई दिल्ली द्वारा अपनाये गये क्लीनिकल प्रोटोकॉल का पालन किया जाएगा। संचालनालय स्वास्थ्य सेवाएँ ने कोविड-19 के लिये चिन्हित केयर सेंटर, डेडिकेटेड हैल्थ सेंटर और कोविड अस्पताल को इस संबंध में एम्स, नई दिल्ली द्वारा 21 अप्रैल, 2020 को जारी क्लीनिकल प्रोटोकॉल का अनुसरण करने के निर्देश दिये हैं। यह निर्देश समय-समय पर देश के एपिडिमियोलाजिकल ट्रेण्ड को देखते हुए अद्यतन किए जाएंगे। कोविड समर्पित केन्द्रों और अस्पतालों में भर्ती रोगियों को पर्याप्त पेय पदार्थ, संतुलित आहार, रोग प्रतिरोधक क्षमता वृद्धि के लिये विटामिन ए, डी, सी तथा जिंक की अनुशंसित खुराक प्रदान की जाना है। रोगी का पल्स रेट, रेस्पिरेटरी रेट तथा ऑक्सीजन थैरेपी के संबंध में भी विस्तृत तकनीकी निर्देश जारी किये गये हैं। इन रोगियों के स्वास्थ लाभ के लिये आवश्यक मनोवैज्ञानिक समर्थन और मनोरंजन की व्यवस्था भी अस्पताल प्रबंधन द्वारा सुनिश्चित की जाएगी।

## महिला स्व-सहायता समूह ने बनाये एक लाख से अधिक मास्क

लोकदेश संवाददाता ■ भोपाल

कोरोना संक्रमण से बचाव के लिये उज्जैन जिले में 181 महिला स्व-सहायता समूह की महिला सदस्यों ने एक लाख से अधिक मास्क तैयार किये हैं। यह मास्क स्वास्थ्य विभाग सहित खाद्य और महिला-बाल विकास विभाग तथा पेट्रोल पम्प, गैस एजेंसी, नगर निगम, लोक निर्माण विभाग, मेडिकल स्टोर और ग्राम पंचायतों में उपलब्ध कराये गये हैं। कुछ महिला पीपीई किट्स (पर्सनल प्रोटेक्टिव इक्यूपमेंट) भी तैयार किये जा रहे हैं। ये महिलाएँ प्रतिदिन 150 पीपीई किट्स बना रही हैं। अब तक इन्होंने 450 पी.पी.ई. किट्स तैयार कर स्वास्थ्य विभाग को दे दिए हैं। उज्जैन में युवाओं ने मात्र 66 रुपए खर्च की पैडल वाला हैण्डवॉश सिस्टम बनाया है। इसे चामुण्डा माता मॉदर चौराहा, देवास गेट, रेलवे स्टेशन, फ्रीगंज मजदूर चौराहा में रह रहे बेघर लोग खूब इसे इस्तेमाल कर रहे हैं। इससे लोग बिना लिक्विड साबुन की बॉटल को हाथ लगाये पैर से पैडल दबाकर हैण्ड-वॉश एवं पानी से हाथ धोकर संक्रमण से बचाव कर रहे हैं।

# मजदूरों के पास काम न होने से पैसे की तंगी

### अनुमति न मिलने से नहीं लौट पा रहे गांव

लोकदेश संवाददाता ■ भोपाल

लॉकडाउन के कारण अन्य राज्यों में फंसे मध्यप्रदेश के मजदूरों को सरकार वापस लाने की तैयारी में जुट गई है। इसे लेकर उत्तरप्रदेश, राजस्थान, गुजरात और महाराष्ट्र के मुख्यमंत्रियों से चर्चा भी हो गई है। इधर, प्रदेश की राजधानी में फंसे हजारों मजदूरों की सुध कोई नहीं ले रहा है। इनके पास अब न तो काम बचा है और न ही पैसा। सरकारी मदद भी नकाफी साबित हो रही है। ये अपने शहर व गांवों जाना चाह रहे हैं, लेकिन इन्हें इजाजत नहीं मिल रही है। ऐसे में भोपाल में भी परेशान मजदूर मुंबई और सूरत की तरह सडकों पर आ सकते हैं। दरअसल, राजधानी में राज्य के सतना, रीवा, शहडोल, कटनी, मंडला, जबलपुर, ग्वालियर, सागर, छतरपुर, बैतूल सहित अन्य जिलों के मजदूर काम करने आते हैं। ये यहां बिल्डरों के यहां, कारखानों और शादी-पार्टी में कार्य कर अपना गुजर बसर करते हैं। 22 मार्च से लॉक डाउन होने के बाद ये लोग जहां के तहां फंस गए। पहले इन्हें 14 अप्रैल के बाद घर जाने की आस थी, लेकिन बाद में इसे बढ़ा कर 3 मई कर दिया गया। पहले तो इन्होंने किसी तरह दिन निकाल लिए थे, लेकिन अब इनके सामने संकट खड़ा हो गया है। ये मजबूर हैं और अब अपने जिलों में जाना चाहते हैं। लेकिन इनकी सुनवाई कहीं नहीं हो रही है।

## सम्मान-निधि मिलने से खुश हैं किसान रामचरण

लोकदेश संवाददाता ■ भोपाल

छतरपुर जिले के बंधीकलां गांव के किसान रामचरण अहिरवार को प्रधानमंत्री गरीब कल्याण योजना में पी.एम. किसान सम्मान-निधि की 2000 रुपये की पहली किश्त मिली है। रामचरण ने बताया कि खेती-किसानी से सीमित आमदनी होने के कारण उनके परिवार की माली हालत कमजोर हो गई थी। सम्मान-निधि की पहली किश्त की राशि बहुत बड़ा सहारा है। उन्होंने खेतीबाड़ी में यह राशि खर्च करने का निश्चय किया है। किसान रामचरण ने किसान सम्मान-निधि के लिये प्रधानमंत्री को धन्यवाद देते हुए कहा है कि इस योजना से देश और प्रदेश के लघु एवं सीमांत किसानों को बड़ी मदद मिली है। रामचरण ने किसान सम्मान-निधि के बारे में जानकारी लगने पर अपना पंजीयन करवाया था। उन्होंने अपने क्षेत्र के सभी किसानों से योजना का लाभ लेने का आग्रह किया है। पी.एम. किसान सम्मान-निधि योजना में प्रत्येक वर्ष जरूरतमंद और पात्र किसानों को 2-2 हजार रुपये की तीन किश्त देने का प्रावधान है।

## सीएम हेल्पलाइन से 4 लाख 38 हजार लोगों को राहत

लोकदेश संवाददाता ■ भोपाल

प्रदेश में कोरोना के कारण लागू लॉकडाउन में सी.एम. हेल्पलाइन नम्बर 181 आम नागरिकों और सभी जरूरतमंदों के लिये सबसे बड़ा आसरा केन्द्र बन गया है। इस नम्बर पर अब तक 4 लाख 38 हजार 043 लोगों को फोन करने पर भोजन, राशन, दवाओं, परिवहन तथा अन्य प्रकार की राहत उपलब्ध कराई गई है। सी.एम. हेल्पलाइन किसानों के लिये भी मददगार साबित हो रही है। इस पर अब तक किसानों की फसल कटाई, फसल परिवहन आदि की 1015 समस्याओं का तुरंत निराकरण सुनिश्चित किया गया है। सी.एम. हेल्पलाइन नम्बर 181 पर अब तक भोजन संबंधी 3 लाख 50 हजार 187, परिवहन संबंधी 21 हजार 191, दवाइयों संबंधी 27 हजार 200, आवश्यक वस्तुएं जैसे दूध, सब्जी आदि संबंधी 13 हजार 558 तथा अन्य प्रकार की 25 हजार 907 समस्याओं की जानकारी मिलते ही त्वरित कार्रवाई कर सहायता मुहैया कराई गई।

खुलासा -जांच में पल्लवी जैन और विजय कुमार को मिली क्लीनचिट

# स्वास्थ्य विभाग में कोरोना के लिए डिप्टी डायरेक्टर को माना दोषी

लोकदेश संवाददाता ■ भोपाल

मध्य प्रदेश को झकझोर कर रख देने वाले कोरोना संक्रमण को लेकर अब एक बड़ा खुलासा हुआ है। मध्य प्रदेश में अब तक कोरोना संक्रमण के 2200 से अधिक मामले सामने आ चुके हैं। वहीं स्वास्थ्य विभाग के ही करीब100 स्टाफ कोरोना पॉजिटिव पाए गए हैं। जिसमें स्वास्थ्य विभाग के चार आईएएस अधिकारी भी शामिल हैं, जो ठीक होकर अस्पताल से वापस आ गए हैं। बड़ी संख्या में स्टाफ के संक्रमित होने की वजह से मध्य प्रदेश के स्वास्थ्य विभाग पर सवाल उठ रहे हैं। इस कारण विभाग ने जांच के लिए दो डिप्टी डायरेटर डॉ. पंकज शुक्ला और राजश्री बजाज की एक टीम बनाई थी। विभागीय जांच में खुलासा हुआ है कि विभाग के एक डिप्टी डायरेक्टर ने संक्रमण काल के दौरान ही बस में इंदौर से भोपाल तक सफर किया था। जिनके साथ ये संक्रमण विभाग में आया और एक के बाद एक अधिकारियों और कर्मचारियों को इसने चपेट में ले लिया। इस खुलासे के साथ ही अब तक आईएएस अधिकारी पल्लवी जैन गोविल और जे विजय कुमार पर लग रहे आरोपों पर विराम लग गया है। दोनों अधिकारियों पर आरोप था कि इन्होंने अपने परिवार की ट्रैवल हिस्ट्री नहीं बतायी थी। बाद में ये दोनों अफसर भी कोरोना पॉजिटिव मिले थे। दोनों ही अफसर जब पॉजिटिव मिले थे उस दौरान वे लोग स्वास्थ्य विभाग का कामकाज संभाल रहे थे।

### वायरस पसार चुका था पैर

जानकारी में सामने आया कि जब स्वास्थ्य विभाग के ये डिप्टी डायरेक्टर बस में बैठ कर भोपाल आए थे उस दौरान वायरस ने इंदौर में अपने पैर पसार लिए थे। लेकिन इस पूरे समय में एक भी कोरोना टेस्ट राज्य में नहीं किया गया था।

### जहांगीराबाद में फिर चार मरीज मिलने से बड़ी मुसीबत

### गांधी मेडिकल कॉलेज के दो जूडा और एक नर्स कोरोना की शिकार

राजधानी में तमाम प्रयासों के बाद भी कोरोना वायरस का संग्रमण बढ़ता ही जा रहा है। हालात यह हैं कि बीते कई दिनों से औसतन हर दिन एक दर्जन से अधिक मरीज सामने आ रहे हैं। बीते रोज आई रिपोर्ट में कुल 16 लोगों में कोरोना की पुष्टि हुई है। इनमें गांधी मेडिकल कॉलेज के दो जूनियर डॉक्टर और नर्स शामिल हैं। जानकारी अनुसार जीएमसी के दोनों डॉक्टर मेडिसिन विभाग में अध्ययनरत हैं, और इनकी ड्यूटी कोविड वार्ड में लगाई जा चुकी थी। उनकी जैसे ही रिपोर्ट पॉजीटिव आई, तत्काल उन्हें चिरायु मेडिकल कॉलेज एण्ड हॉस्पिटल में भर्ती करा दिया यगा। इनके साथ जो नर्स पॉजीटिव आई है। उसे भी भर्ती कर दिया गया है। आपको बता दें कि जीएमसी में अभी तक कुल 12 लोग कोरोना वायरस का शिकार हो चुके हैं। इनमें दो एमबीबीएस छात्र हैं और दो नर्स हैं। जबकि शेष जूनियर डॉक्टर हैं।

**जहांगीराबाद बना बड़ा हॉटस्पॉट:** भोपाल का कोरोना हॉट स्पॉट सेंटर जहांगीराबाद में मरीजों का मिलना लगातार जारी है। बीते रोज भी जांच रिपोर्ट में इस क्षेत्र से चार मरीजों के नाम हैं। अब तक इस क्षेत्र में चालीस से ज्यादा पॉजीटिव मरीज मिल चुके हैं। यहां परिवारों में वायरस का फैलाव ज्यादा देखने को मिल रहा है। कुछ दिन पहले यहां एक परिवार के 11 लोग कोरोना वायरस का शिकार हुए हैं। जो कि अस्पताल में भर्ती हैं। इसके अलावा यहां दो परिवार ऐसे हैं, जहां पहले कोरोना के कारण एक-एक व्यक्ति की मौत हो चुकी है। अब इन्हीं परिवारों में कोरोना पॉजीटिव केस मिल रहे हैं।

दैनिक पुष्पांजली टुडे



नोवेल कोरोना को हराना है, स्व-सहायता समूह की महिलाओं ने यह ठाना है

# लाखों मास्क तैयार किए समूह की महिलाओं ने

**ग्वालियर।** नोवेल कोरोना वायरस के संक्रमण को हराने के लिए जिले के स्व-सहायता समूह से जुड़ी महिलाओं ने रात-दिन जुटकर लाखों की संख्या में कपड़े से बने हुए मास्क तैयार किए हैं। यह मास्क मात्र 10 रूपए की लागत में तैयार किए गए हैं। इन मास्कों का उपयोग केवल एक बार नहीं, बल्कि उन्हें धोकर निरंतर किया जा रहा है। समूह की महिलाओं द्वारा तैयार किए गए मास्क मंगलवार को कलेक्टर श्री कौशलेन्द्र विक्रम सिंह, पुलस अधीक्षक श्री नवनीत भसीन, सीईओ जिला पंचायत श्री शिवम वर्मा, नगर निगम आयुक्त श्री संदीप माकिन एवं एडीएम श्री किशोर कन्याल को समूह की महिलाओं द्वारा भेंट किए गए। जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी श्री शिवम वर्मा ने बताया कि ग्वालियर जिले में सभी विकासखण्डों में स्व-सहायता समूह के माध्यम से मास्क तैयार करने का कार्य किया जा रहा है।

मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत श्री शिवम वर्मा ने बताया कि स्वास्थ्य विभाग द्वारा बताए गए मापदण्डो के अनुसार मध्यप्रदेश-डे राज्य ग्रामीण आजीविका मिशन अंतर्गत ग्राम कल्याणी, नयागांव, भयपुरा, कुलैथ, झुण्डपुरा, चीनौर एवं पुराबनवार सहित लगभग 22 गाँवों में समूह की महिलाओं द्वारा मास्क बनाने का कार्य किया जा रहा है। मनरेगा योजना के तहत कार्य कर रहे समस्त श्रमिकों को मास्क उपलब्ध कराने के निर्णय के परिपालन में जिले में समूहों के माध्यम से मास्क तैयार कराने का कार्य प्रारंभ किया गया है। कम कीमत में मास्क की उपलब्धता सुनिश्चित करने की जवाबदारी स्व-सहायता समूह की महिलाओं ने उठाई है।ग्वालियर जिले में स्व-सहायता समूहों के माध्यम से दो लाख से अधिक मास्क तैयार किए गए हैं। तैयार किए गए मास्क विभिन्न ग्राम पंचायतों में मांग के अनुसार प्रदाय किए जा रहे हैं। स्व-सहायता समूह द्वारा निर्मित किए जा रहे मास्क की न्यूनतम दर 10 रूपए रखी गई है। प्रत्येक मास्क पर 3 रूपए सिलाई एवं लगभग 3.50 रूपए का कपड़ा एवं अन्य सामग्री का व्यय समूह द्वारा किया जा रहा है। समूह द्वारा तैयार किया जा रहा मास्क अत्यंत किफायती है एवं इसे धोकर पुनः उपयोग किया जा सकता है। इसके माध्यम से स्व-सहायता समूह की महिलाओ को रोजगार भी उपलब्ध हो रहा है। मुख्य कार्यपालन अधिकारी श्री शिवम वर्मा ने बताया कि दो लाख मास्क निर्माण में लगभग 70 हजार मास्क अकेले डबरा विकासखण्ड के ग्राम कल्याणी समूह द्वारा तैयार किए गए हैं। समूह की सदस्य रहीसा, सरोज, नीतू, अनीशा एवं मीना ने बताया है कि समूह की महिलाओं को प्रतिदिन 200 से 250 रूपए तक की आय भी हो रही है। नोवेल कोरोना महामारी से उत्पन्न हुई विषम परिस्थितियों में भी स्व-सहायता समूह की महिलायें कोरोना वॉलेन्टियर के रूप में अपना महत्वपूर्ण योगदान दे रही हैं। कलेक्टर श्री कौशलेन्द्र विक्रम सिंह ने समूह की सभी महिलाओं की प्रशंसा करते हुए उन्हें प्रोत्साहित किया और आग्रह किया है कि अधिक से अधिक समूह की महिलाएं मास्क निर्माण के साथ-साथ लोगों में नोवेल कोरोना वायरस के संक्रमण से बचने के लिये आवश्यक सावधानियां बरतने की भी जनजागृति लाने का कार्य करें।

## पुलिस अधीक्षक की सराहनीय पहल

ग्वालियर में स्व-सहायता समूह की महिलाओं को प्रोत्साहित करने के लिये पुलिस अधीक्षक श्री नवनीत भसीन ने एक सराहनीय पहल भी की है। उन्होंने पुलिस विभाग के माध्यम से शहर में बिना मास्क के भ्रमण करने वाले वाहन चालकों का 100 रूपए का चालान कर उन्हें 10 मास्क प्रदान करने की सराहनीय पहल प्रारंभ की है। चालान की यह राशि रेडक्रॉस समिति में जमा की जायेगी। उक्त राशि से समूह की महिलाओं द्वारा तैयार किए गए मास्क की कीमत भी अदा की जायेगी। पुलिस अधीक्षक श्री नवनीत भसीन ने बताया कि नोवेल कोरोना वायरस के संक्रमण से बचने के लिये सभी लोगों को मास्क लगाना आवश्यक किया गया है। जागरूकता के पश्चात भी कुछ लोग शहर में भ्रमण के दौरान मास्क नहीं लगा रहे हैं। ऐसे लोगों का पुलिस विभाग 100 रूपए का चालान काटेगी और उक्त राशि के बदले उन्हें 10 मास्क प्रदान किए जायेंगे। चालान के रूप में वसूल की गई 100 रूपए की राशि भी रेडक्रॉस में जमा कर दी जायेगी। उक्त राशि स्व-सहायता समूहों को उनके मेहनताने के रूप में प्रदाय की जायेगी। चालान के बदले 10 मास्क प्रदान करने की यह सराहनीय पहल संभवतः प्रदेश व देश में पहली बार ग्वालियर में की गई है।

थाना बिलौआ पुलिस लूट के मामले में फरार शातिर लुटेरे को

# लूटे गये माल सहित किया गिरफ्तार

**ग्वालियर।** पुलिस अधीक्षक ग्वालियर नवनीत भसीन केनिर्देषानुसार ग्वालियर जिलें में हुई लूट के वारदातों को अंजाम देने वाले बदमाषों की धर पकड़ हेतु चलाये जा रहे अभियान के दौरान पुलिस अधीक्षक ग्वालियर के निर्देषानुसार पुलिस अधीक्षक देहातश्रीसुरेन्द्र सिंह गौर एवं एसडीओपी डबरा उमेष सिंह तोमर ने अपने अधीनस्थ थाना प्रभारियों को लूट के मामल में फरार बदमाषों की धरपकड़ हेतु मुखबिर तंत्र विकसित करने के निर्देष दिये। वरिष्ठ अधिकारियों के परिपालन में 28.04.2020 को थाना प्रभारीबिलौआ निरी अनिल सिंह भदौरिया को जरिये मुखबिर सूचना प्राप्त हुई कि थाना बिलौआ क्षेत्र मे हुई लूट के मामले फरार बदमाषों मे से एक बदमाष को लखनौती पुल के पास देखा गया है। उक्त सूचना पर तत्काल कार्यवाही करते हुये थाना प्रभारी बिलौआ ने मय थाना बल के मुखबिर के बताये स्थान की घेराबंदी कर शातिर लुटेरे छोटू उर्फ अतबल गुर्जर उर्फ वीरपाल पुत्र औतारसिंह गुर्जर निवासी ग्राम रमौआ थाना सिरोल ग्वालियर को गिरफ्तार किया। गिरफ्तार लुटेरे से पूछताछ करने पर उसने बताया कि उसने अपने दो अन्य साथियों राहुल सेन एवं नीरजरजक के साथ



01.04.2020 को लूट की घटना को अंजाम दिया था। जिस पर से थाना बिलौआ मे लूट का अपराध पंजीबद्ध कर शातिर लुटेरे नीरज रजक व राहुल सेन को 02.04.2020 को गिरफ्तार कर न्यायिक हिरासत में भेजा जा चुका है। गिरफ्तार लुटेरे से लूटा गया माल बरामद कर लिया गया है। ज्ञात हो कि 01.04.2020 फरियादी नितिन पुत्र करतार हबलानी उम्र 41 साल निवासी 45,सिंध बिहार नदी गेट, थाना इदंरगंज, ग्वालियर ने थाना बिलौआ पर आकर बताया कि वह अपने जीजा राकेष धमीजा एवं अपने चचेरे भाई करन हबलानी के साथ अपनी कार से जा रहा था तभी आई0टी0एम विश्वविद्यालय के पास तीन बदमाषों ने आकर उनकी कार के आगे मोटर साइकिल अड़ाकर मेरा पर्स लूट कर ले गये है। जिस मे मेरी सारी आईडियॉ और 1750 रूपये रखे हुये थे जिस पर से थाना बिलौआ मे लूट का अपराध पंजीद्ध कर मामला विवेचना में लिया गया था।

ग्वालियर शहर में आसान किस्तों में बिना ब्याज के प्लॉट खरीदने का सुनहरा मौका।
TOMAR ASSOCIATES
प्लॉट खरीदने एवं निवेश के लिए सम्पर्क करें
मूलभूत सुविधाऐं
कॉलोनी के चारों और बाउण्ड्री बॉल
मैन गेट पर सी.सी.टी.वी. कैमरा व सिक्योरिटी गार्ड
लाईट, पानी, सीवर लाईन, कम्युनिटी हॉल
बच्चों के लिये गार्डन, सड़कों पर लाईट, मन्दिर,
सुन्दर विशाल पार्क, जिम, जॉगिंग ट्रेक,
वॉस्केट बॉल मैदान, स्वीमिंग पुल,
शॉपिंग कॉम्प्लैक्स व स्कूल की सुविधा।
T&CP APPROVE FORM-4
मात्र 25 प्रतिशत प्लॉट की कीमत जमा करवाकर प्लॉट का रजिस्टर्ड एग्रीमेंट करवायें एवं शेष धनराशि 75% बिना ब्याज के दें।
ग्वालियर शहर में अपने सपनों का घर बनायें।
बुकिंग मात्र 25,000/- से
अधिक जानकारी के लिए सम्पर्क करें 9713253992 7828039035

# ग्वालियर में मंगलवार को 298 नमूनों की जांच निगेटिव आई

**ग्वालियर।** नोवेल कोरोना वायरस के संक्रमण की जांच के लिये भेजे गए नमूनों में से 298 नमूनों की जांच मंगलवार को निगेटिव प्राप्त हुई है। जिले में अब तक कुल 2 हजार 159 नमूने जांच हेतु भेजे गए हैं, जिनमें से 1966 नमूनों की जांच निगेटिव प्राप्त हुई है। 102 नमूनों में जांच की आवश्यकता नहीं पाई गई है। इसके साथ ही 87 नमूनों की जांच आना अभी शेष है। ग्वालियर में कुल 8 पॉजिटिव नमूनों की जांच अब तक प्राप्त हुई है। इनमें से 6 मरीजों को उपचार होने के पश्चात निगेटिव रिपोर्टें प्राप्त होने पर उन्हें अस्पताल से छुट्टी कर घर भेज दिया गया है। 2 पॉजिटिव मरीजों का उपचार सुपर स्पेशिलिटी अस्पताल में किया जा रहा है। कलेक्टर कौशलेन्द्र विक्रम सिंह ने बताया कि जिले में अब तक 7 हजार 520 संदिग्ध व्यक्तियों को होम क्वारंटाइन किया गया है। होम क्वारंटाइन किए गए कुल व्यक्तियों में से 5 हजार 692 व्यक्तियों का क्वारंटाइन समय भी पूरा हो गया है। नोवेल कोरोना वायरस के संक्रमण के लिये 3 लाख 67 हजार 734 व्यक्तियों की मेडीकल स्क्रीनिंग भी की गई है। मंगलवार को 106 नमूने जांच हेतु भेजे गए हैं। कलेक्टर श्री सिंह ने जिले के निवासियों से अपील की है कि नोवेल कोरोना वायरस के संक्रमण की रोकथाम के लिये लागू किए गए लॉकडाउन का पालन करें और अपने घरों में ही रहें। बिना किसी काम के शहर में भ्रमण न करें। अनावश्यक रूप से भ्रमण करते पाए जाने पर दण्डात्मक कार्रवाई की जायेगी। आम नागरिकों की आवश्यकताओं की पूर्ति प्रशासन द्वारा यथासंभव कराई जा रही है। नोवेल कोरोना संक्रमण के संबंध में जिले के किसी भी निवासी को कोई सूचना देना है अथवा जानकारी प्राप्त करना है तो कंट्रोल रूम नम्बर 0751-2646605, 2646606, 2646607 संपर्क कर सकता है। इसके साथ ही वॉट्सएप नम्बर 7089003193 पर वॉट्सएप कॉलिंग के माध्यम से चिकित्सीय परामर्श भी प्राप्त किया जा सकता है।

नोवेल कोरोना वायरस के संक्रमण की रोकथाम के लिए

# सेवानिवृत्त पुलिस अधिकारियों ने दिया एक लाख 11 हजार रूपए का चैक

**ग्वालियर।** नोवेल कोरोना वायरस के संक्रमण से पूरा विश्व ग्रसित है। इस महामारी से निपटने के लिये शासन-प्रशासन के साथ-साथ समाज के सभी वर्ग अपना भरपूर सहयोग प्रदान कर रहे हैं। सेवानिवृत्त राजपत्रित पुलिस अधिकारी संघ ने भी पहल कर एक लाख 11 हजार रूपए की सहायता राशि का चैक कलेक्टर श्री कौशलेन्द्र विक्रम सिंह, पुलिस अधीक्षक श्री नवनीत भसीन को रेडक्रॉस समिति के लिये प्रदान किया है। सेवानिवृत्त राजपत्रित पुलिस अधिकारी संघ के अध्यक्ष श्री आर एल वर्मा ने कलेक्टर को एक लाख 11 हजार रूपए का चैक प्रदान करते हुए बताया कि नोवेल कोरोना वायरस के संक्रमण की रोकथाम हेतु सेवानिवृत्त पुलिस अधिकारियों ने अपनी पेंशन की राशि में से सहायता देने का निर्णय लिया । सेवानिवृत्त अधिकारियों ने राशि एकत्र कर एक लाख 11 हजार रूपए रेडक्रॉस को प्रदान किए हैं। उन्होंने यह भी आग्रह किया कि नोवेल कोरोना वायरस के संक्रमण की रोकथाम हेतु सेवानिवृत्त पुलिस अधिकारियों की भी कोई आवश्यकता हो तो वे अपनी सेवायें देने के लिये सहर्ष तैयार हैं। कलेक्टर कौशलेन्द्र विक्रम सिंह एवं पुलिस अधीक्षक नवनीत भसीन ने सेवानिवृत्त राजपत्रित पुलिस अधिकारी संघ के सभी सदस्यों के प्रति आभार प्रकट किया। उन्होंने कहा कि इस महामारी के समय सभी का सहयोग आवश्यक है। पुलिस अधीक्षक ने आग्रह किया कि सेवानिवृत्त सभी पुलिस अधिकारी अपने-अपने क्षेत्र में नोवेल कोरोना वायरस के संक्रमण से बचाव हेतु जन जागृति लाने तथा लोगों को समझाइश देने का कार्य करें।

# कोविड-19 रोगियों पर लागू होगा एम्स का क्लीनिकल प्रोटोकॉल

**ग्वालियर।** प्रदेश में कोविड-19 के रोगियों के प्रबंधन के लिये एम्स, नई दिल्ली द्वारा अपनाये गये क्लीनिकल प्रोटोकॉल का पालन किया जायेगा। संचालनालय स्वास्थ्य सेवाएँ ने कोविड-19 के लिये चिन्हित केयर सेंटर, डेडिकेटेड हैल्थ सेंटर और कोविड अस्पताल को इस संबंध में एम्स, नई दिल्ली द्वारा 21 अप्रैल, 2020 को जारी क्लीनिकल प्रोटोकॉल का अनुसरण करने के निर्देश दिये हैं। यह निर्देश समय-समय पर देश के एपिडिमियोलाजिकल ट्रेण्ड को देखते हुए अद्यतन किये जायेंगे। कोविड समर्पित केन्द्रों और अस्पतालों में भर्ती रोगियों को पर्याप्त पेय पदार्थ, संतुलित आहार, रोग प्रतिरोधक क्षमता वृद्धि के लिये विटामिन ए, डी, सी तथा जिंक की अनुशंसित खुराक प्रदान की जाना है। रोगी का पल्स रेट, रेस्पिरेटरी रेट तथा ऑक्सीजन थैरेपी के संबंध में भी विस्तृत तकनीकी निर्देश जारी किये गये हैं। इन रोगियों के स्वास्थ लाभ के लिये आवश्यक मनोवैज्ञानिक समर्थन और मनोरंजन की व्यवस्था भी अस्पताल प्रबंधन द्वारा सुनिश्चित की जायेगी।

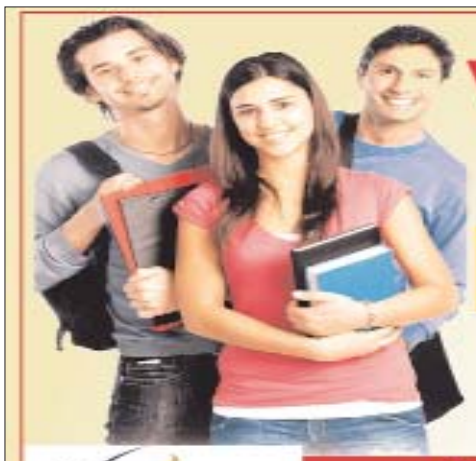

आवश्यकता है
पुष्पांजली राष्ट्रीय मासिक पत्रिका/ऑनलाइन न्यूज पोर्टल को भारत के हर राज्य, जिला एवं तहसील स्तर पर ब्यूरो चीफ, रिपोर्टर और विज्ञापन प्रतिनिधियों की आवश्यकता है।
इच्छुक एवं अनुभवी व्यक्ति संपर्क करें।
देश के सभी प्रदेशों मे, मध्य प्रदेश, राजस्थान, हरियाना, छतीसगढ, उत्तर प्रदेश, दिल्ली, पंजाब, उड़ीसा, महाराष्ट्, उत्तराखंड, जम्मू कश्मीर, बिहार, गुजरात, गोवा, झारखंड
कार्यालयः ए-ब्लॉक 404 भाऊ साहब की पोतनिस, इन्क्लेव मुरार रोड गोले का मंदिर ग्वालियर
संपर्कः 7999246560, 8269307478
Email-pushpanjalitoday@gmail.com. Web-www.pushpanjalitoday.com

TOMAR ASSOCIATES
सोलर पेनल लगवाने पर बैंक द्वारा लोन की सुविधा।
सोलर पेनल लगाये और बिजली बिल से छुटकारा पायें। साथ ही पर्यावरण बचायें। सौर्य ऊर्जा लगवाकर म.प्र. सरकार से सब्सीडी पायें।
Bipin Tomar (Bhidosa)
Greennub Exclusive Partner
अधिक जानकारी के लिए सम्पर्क करें 9713253992 7828039035

VISION 2030
अब अपनी पढाई को दो रफ्तार
*SSC/ बैंक/ रेलवे/MPPSC/UPSC/ POLICE/SI के साथ ही सभी तरह की COMPETITION CLASSES
फ्री में आप हमारा App "VISION 2030 डाउनलोड कर सकते हैं
अगर आप कोचिंग/स्कूल चलाते है तो अपनी छात्र संख्या बढ़ाने के लिये सम्पर्क कर सकते हैं
Vision 2030
फ्रेंचाइजी लेने के लिये सम्पर्क करें और हर माह 50 से 60000/- कमाना शुरु करें
HOME TUITION
Class:- 6th-12th हिन्दी मीडियम/इंग्लिश मीडियम/CBSE
MP/UP/GUJRAT/CG
BHIND/GWALIOR/DATIA/
संपर्कः ए-ब्लॉक 404 भाऊ साहब की पोतनिस मुरार रोड गोले का मंदिर ग्वालियर 9691937250

स्वात्वाधिकारी, प्रकाशक, मुद्रक, एवं संपादक-भरत सिंह चौहान। पुष्पांजली प्रिंटर्स-गोवर्धन कॉलोनी, भिण्ड रोड, गोला का मंदिर, जिला ग्वालियर (म.प्र.) से मुद्रित एवं दीपू इलेक्ट्रोनिक्स, पंजीयन क्रमांक/ एम.पी.एच.आई.एन. /31130 नियर हनुमान मंदिर, गोवर्धन कॉलोनी, भिण्ड रोड, गोला का मंदिर, ग्वालियर (म.प्र.) से प्रकाशित। सम्पादक - भरत सिंह चौहान E-mail : pushpanjalitoday17@gmail.com 0751-4901333, M.: 8269307478